● जयपुर, बुधवार 6 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 79 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 भाजपा में परिवार भाव के साथ एकजुटता से किया जा रहा है कार्य...
पेज @4 जयपुर विकास प्राधिकरण के ईकॉलोजीकल जोन 10 में भू...
पेज @8 उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के निर्देशन में निर्बाध...

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर किसानों को मिलेंगी बड़ी सौगातें

हमारी जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर महत्वपूर्ण कदम: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के किसानों को कई बड़ी सौगातें देने जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति और लाभ हस्तांतरण के बारे में जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ योजनाएं नहीं, बल्कि आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों से बराबर सम्पर्क रखते हुए विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ और जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रथम वर्षगांठ पर किसानों को बड़ी सौगातें देने की प्रभावी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत 5 हजार 500 फार्मपौण्ड के लिए किसानों के खातों में सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी है। इसी प्रकार 2 हजार किलोमीटर पाइपलाइन, 5 हजार किसानों को तारबंदी के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नहरी क्षेत्र में 500 डिग्गियों, एक हजार किसानों को कृषि उपकरण सहायता और 2 हजार वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के लिए अनुदान सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के अंतर्गत 3 हजार किसानों को गोवंश से जैविक खाद उत्पादन के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नमो ड्रोन दीदी योजना में 50 क्लस्टर्स विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त भी किसानों को जारी की जाएगी। शर्मा ने कहा कि कुसुम योजना के माध्यम से सोलर पम्प की स्थापना के लिए 15 हजार किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ड्रिप इरिगेशन ही सिंचाई हेतु एक दीर्घकालिक समाधान है। सरकार द्वारा 15 हजार किसानों को ड्रिप इरिगेशन के लिए वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। इसके साथ ही 1 हजार लाभार्थियों को कृषि एवं अकृषि ऋण ब्याज अनुदान पर प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर पशुपालकों को गोपाल क्रेडिट कार्ड वितरण के साथ-साथ एक हजार नए डेयरी बूथों का आवंटन, 200 नए बल्क मिल्क कूलर्स की स्थापना और एक हजार नए दूध संकलन केन्द्रों का उद्घाटन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के अंतर्गत 3.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान राशि देते हुए 183.22 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती श्रेया गुहा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज़ अपडेट

विकिपीडिया पर केंद्र सरकार का एक्शन, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्र सरकार ने विकिपीडिया को एक नोटिस जारी कर प्लेटफॉर्म पर मौजूद गलत जानकारी और पक्षपातपूर्ण सामग्री को लेकर सवाल उठाए हैं। सरकार ने यह भी सवाल किया है कि विकिपीडिया को एक मध्यस्थ की बजाय एक प्रकाशक के रूप में क्यों नहीं देखा जाना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने विकिपीडिया को लिखे पत्र में कहा है कि प्लेटफॉर्म पर कंटेंट का नियंत्रण कुछ ही एडिटर्स के हाथ में है, जो इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। सरकार ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि विकिपीडिया पर मौजूद जानकारी हमेशा सटीक और विश्वसनीय नहीं होती है।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विकिपीडिया को फटकार लगाते हुए कहा था कि विकिपीडिया को एक मध्यस्थ के रूप में अनुरोध किए जाने पर आवशयक जानकारी प्रदान करनी चाहिए। कोर्ट ने विकिपीडिया के फ्री इनसाइक्लोपीडिया होने के दावे पर भी सवाल उठाए थे।

विकिपीडिया को अक्सर पक्षपात और गलत जानकारी फैलाने के आरोप लगते रहे हैं, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के दौरान। यह देखना दिलचस्प होगा कि विकिपीडिया इस मामले में क्या जवाब देता है। सरकार और विकिपीडिया के बीच इस मुद्दे पर आगे क्या होता है, यह देखने के लिए अभी इंतजार करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: 'हर प्राइवेट प्रॉपर्टी पर सरकार का अधिकार नहीं'

नई दिल्ली/एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सभी निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन नहीं। कुछ निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन हो सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों।

कोर्ट ने बहुमत से जस्टिस कृष्णा अय्यर के पिछले फैसले को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस अय्यर के पिछले फैसले में कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पुराना शासन एक विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साल 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया जिसमें समाजवादी थीम को अपनाया गया था और फैसला सुनाया गया था कि राज्य आम भलाई के लिए सभी निजी संपत्तियों को अपने अधीन कर सकते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कुछ फैसले इस मामले गलत हैं कि व्यक्ति के सभी निजी संसाधन समुदाय के भौतिक संसाधन हैं। कोर्ट की भूमिका आर्थिक नीति निर्धारित करना नहीं, बल्कि आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करना है। इसलिए सरकारों द्वारा इन पर कब्ज़ा नहीं किया जा सकता।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र के 20 दिसंबर तक चलने की संभावना है। संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 26 नवंबर, 2024 को संविधान सदन (संसद के पुराने भवन) के सेंट्रल हॉल में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर, संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखों की आधिकारिक तौर पर जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर बताया, भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति ने 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है (संसदीय कार्य के एजेंडे और आवशयकता के अनुसार)। किरेन रिजिजू ने संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की जानकारी देते हुए आगे बताया, 26 नवंबर, 2024 (संविधान दिवस) को संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम मनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मोदी सरकार अपने दो महत्वपूर्ण एजेंडे वन नेशन, वन इलेक्शन और वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2024 को संसद से पारित करवाने का प्रयास कर सकती है। इन दोनों ही विधेयकों पर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार ऐतराज जाहिर कर रहे हैं। ऐसे में संसद के शीतकालीन सत्र का भी हंगामेदार रहना तय माना जा रहा है। संसद सत्र पर महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव के नतीजों का भी असर पड़ना तय माना जा रहा है। दोनों राज्यों में नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को होगी और संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि अगर भाजपा इन दोनों राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हो जाती है तो संसद में विपक्षी दलों के तीखे विरोध के बावजूद वह अपने एजेंडे को लागू करने के लिए आक्रामक अंदाज में आगे बढ़ेगी।

जिंदगी की जंग हार गई लोक गायिका शारदा सिन्हा

72 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

नई दिल्ली/एजेंसी

जानी-मानी लोक गायिका शारदा सिन्हा का मंगलवार को निधन हो गया. दिल्ली के एम्स में उन्होंने 72 साल की उम्र में आखिरी सांस ली. शारदा सिन्हा की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था. उन्हें बिहार की 'स्वर कोकिला' भी कहा जाता था. शारदा सिन्हा ने तमाम छठ गीतों को अपनी आवाज दी थी. छठ पर्व के दौरान उनके इस दुनिया से अलविदा लेने से देश में शोक की लहर है. शारदा सिन्हा का बुधवार को पटना में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा.

शारदा सिन्हा के पति का हाल ही में ब्रेन हैमरेज से निधन हुआ था. इसके बाद से उनकी तबीयत भी खराब रहने लगी थी. बीते दिनों उन्हें बोन मैरो कैंसर डिटेक्ट हुआ था. जिसके बाद उनका इलाज अक्क्टर के अंकोलॉजी मेडिकल डिपार्टमेंट में चल रहा था. शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान सिन्हा ने सोमवार शाम यूट्यूब पर लाइव आकर अपनी मां की तबीयत के बारे में जानकारी दी थी. उन्होंने लोगों से अपनी मां के लिए दुआ करने को कहा था. अंशुमान ने कहा था, ₹मेरी मां वेंटिलेटर पर हैं. उन्हें प्रार्थना और दुआ की बहुत जरूरत है. अब आप सभी लोग प्रार्थना जारी रखिए. एक बड़ी लड़ाई में मेरी मां जा चुकी है. इस लड़ाई से जीतना काफी मुश्किल है. यही प्रार्थना कीजिए कि वह लड़कर बाहर आ सके.

4 नवंबर की शाम को शारदा सिन्हा का ऑक्सीजन लेवल काफी गिर गया था, जिसके बाद से वो वेंटिलेटर पर थीं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ही शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान सिन्हा से फोन पर बात करके उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली थी.

13 साल में 40 प्रतिशत तक बढ़ा ग्लेशियर झीलों का आकार, फटने पर मचेगी तबाही, उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में बड़ा खतरा

देहरादून/एजेंसी।

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियर झीलों का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों में 13 साल के अंतराल में 33.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। उत्तराखंड समेत पांच राज्यों में हालात और चिंताजनक नजर आ रहे हैं। यहां ग्लेशियर झीलों का आकार 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

यह खुलासा केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। केंद्रीय जल आयोग ने हिमालयी ग्लेशियर झीलों के क्षेत्रफल में बदलाव के आकलन के लिए वर्ष 2011 से सितंबर 2024 तक की स्थिति का अध्ययन किया। इसमें पता चला कि भारत में ग्लेशियर झीलों का क्षेत्रफल 1,962 हेक्टेयर था, जो सितंबर 2024 में बढ़कर 2,623 हेक्टेयर हो गया है। यह बढ़ोतरी 33.7 प्रतिशत दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लेशियर झीलों का दायरा बढने के साथ ही दूसरे जल निकायों में भी पानी की मात्रा बढ़ रही है। वर्ष 2011 में ग्लेशियर झीलों समेत अन्य जल निकायों का कुल क्षेत्रफल 4.33 लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 10.81 प्रतिशत बढ़कर 5.91 लाख हेक्टेयर हो गया है। उच्च जोखिम वाली ग्लेशियर झीलों से निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ का खतरा सीमा पार भूटान, नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों में भी नजर आता है।

पिछले साल इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने एक रिपोर्ट में अहम खुलासा किया था। इसमें यह सामने आया कि 2011 से 2020 तक ग्लेशियर पिघलने की रफ्तार 2000 से 2010 की तुलना में 65त्न अधिक रही है। ग्लेशियर पिघलने की यह रफ्तार बेहद चिंताजनक है। इसकी वजह यह है कि हिमालय लगभग 165 करोड़ लोगों के लिए अहम जल स्रोत है। अगर यही रफ्तार रही तो सदी के अंत तक ग्लेशियर 80 प्रतिशत तक खत्म हो सकते हैं।

बंगाल सैपर्सः सैन्य इंजीनियरिंग का बहादुरी भरा सफर

भारतीय सेना के महत्वपूर्ण सैन्य संगठन बंगाल सैपर्स का सैन्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बहादुरी भरा इतिहास रहा है। बंगाल सैपर्स के जवान राष्ट्र के लिए बलिदान देने में कभी पीछे नहीं रहे, तभी तो देश पर मर मिटने वालों की सूची में बंगाल सैपर्स का नाम सबसे ऊपर है। युद्ध का समय हो या शांतिकाल अथवा देश पर आया प्राकृतिक संकट, हर मौके पर बंगाल सैपर्स के जवान डयूटी पर मुस्तैद दिखाई देते हैं। तकनीकी ज्ञान से ओतप्रोत इस सैन्य संगठन ने समय– समय पर अपने तकनीकी कौशल की मिसाल पेश की और देश को संकट से बचाने में मदद की। 7 नवम्बर सन 1803 में बंगाल पायनियर्स नाम से देश की रक्षा के लिए उप्र के कानपुर में स्थापित इस सैन्य संगठन का नेतृत्व सबसे पहले ब्रिटिश अधिकारी टी वुड ने किया था।

इस सैन्य संगठन का मुख्य कार्य युद्ध के दौरान अपने तकनीकी कौशल से मिनटों में नदी–नहरों पर पुल बनाना, देखते ही देखते सड़के व सुरंगें बना देना तथा जान पर खेलकर युद्ध में घायल सैनिकों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जैसे साहसिक कार्य शामिल हैं। इतना ही नहीं, बंगाल सैपर्स के जवान कई बार दुर्गम हिमालय की चोटियों पर जाकर विजय पताका फहरा चुके हैं। विपरीत मौसम और कठिन रास्तों पर चलकर दुश्मनों से लोहा लेना इन्हें बखूबी आता है। इस सैन्य संगठन का 19 फरवरी 1819 में पुनर्गठन होने पर इसका नाम बदल कर बंगाल सैपर्स और मायनर्स कर दिया गया। साथ ही इसका मुख्यालय भी कानपुर से इलाहाबाद स्थानांतरित हो गया। जब रूड़की में गंगनहर निर्माण के लिए इंजीनियरों की आवश्यकता हुई तो 1 नवंबर 1853 को यह संगठन रूड़की आ गया। रूड़की आने के बाद भी इसके नाम में कई बार परिवर्तन हुए और अन्ततः इसका नाम बंगाल इंजीनियर ग्रुप एवं केंद्र रूड़की हो गया। तीसरे मराठा युद्ध के दौरान सन1819 में बंगाल सैपर्स के जवानों ने शौर्यपूर्ण प्रदर्शन किया। जिस पर सन 1826 में इस सैन्य संगठन को देश का पहला बैटल ऑनर प्रदान किया गया। इसके बाद पहले अफगान युद्ध में जब सन 1839 में गजनी के किले पर आक्रमण किया गया तो बंगाल सैपर्स के बहादुर जवानों ने इतिहास रचते हुए गजनी के किले को फतह कर लिया। इस कारनामे के लिए भारतीय सिपाही के रूप में पहला इण्डियन ऑर्डर आफ मैरिट सूबेदार देवी सिंह को प्रदान किया गया।

अपनी बहादुरी के लिए सम्मान पाने वाले अन्य बंगाल सैपर्स जवानों में विश्राम सिंह, शेख रजब, कालू बेग, गुरदयाल सिंह, कादिर बख्श, बलदान सिंह, दयाल सिंह, शिव सहाय व गणेश के नाम प्रमुख हैं। बंगाल इंजीनियर ग्रुप एवं केन्द्र रूड़की, जिसे बीईजी भी कहा जाता है, उसके जवानों की वीरतापूर्ण यादें यहां के संग्रहालय में देखी जा सकती हैं। सन 1803 से स्थापित इस संग्रहालय में बीईजी के बहादुरी पूर्ण सफर का अवलोकन किया जा सकता है। 200 वर्षों से ज्यादा के इतिहास को संजोकर रखने और संग्रहालय के रूप में उसे सुरक्षित रखने की मिसाल बंगाल सैपर्स ने ही कायम की है। इस संग्रहालय के बाहर देश में पहली बार रूड़की से पिरान कलियर के बीच 22 दिसम्बर सन 1851 को चलाई गई रेल के वैगन भी धरोहर के रूप में रखे हुए हैं। जबकि रेलवे स्टेशन के बाहर उस समय के रेल इंजन का मॉडल जनता के लिए दर्शनार्थ बनाया गया है। फील्ड मार्शल अर्ल होरेशियो हरबर्ट किचनर की सिडनी में निर्मित साढ़े आठ फीट की प्रतिमा से सुसज्जित इस संग्रहालय में यह भी उल्लेख है कि बीईजी परिसर में मौजूद युद्ध स्मारक की आधारशिला किचनर ने ही 12 नवम्बर सन 1907 में रखी थी। यह स्मारक गजनी के किले में स्थित मीनार की अनुकृति है, जिसके चारों तरफ ओरियंटल आर्ट कॉलेज लाहौर के डिजाइन किए गए गुबंद, स्तंभ, प्याज की शक्ल में हैं। यह युद्ध स्मारक बंगाल सैपर्स के लिए मंदिर की तरह है। जहां हर सैनिक सिर झुका कर देश पर बलिदान हुए उन वीरों को याद करता है जो बंगाल सैपर्स की शान माने जाते हैं। बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एवं केंद्र रूड़की के स्थापना दिवस एवं अन्य राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर यहां के अधिकारी और सैनिक युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित कर देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देना नहीं भूलते।

बीईजी स्थापना दिवस पर तो युद्ध स्मारक के ऊपर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाती रही है। बंगाल सैपर्स ने फ्रांस, अल्जीरिया, लीबिया, इटली, मिस्र, सूडान, इथोपिया, जॉर्डन, इराक, ईरान, यमन, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, भूटान, बर्मा, बांग्लादेश, नेपाल, ताईवान, श्रीलंका, जाफना जैसे देशों मे अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया। इसी तरह सन 1948 में कश्मीर की लड़ाई, सन 1962, 1965, 1971 तथा कारगिल के युद्धों में बंगाल सैपर्स के वीरतापूर्ण योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। बंगाल सैपर्स को मिले सम्मानों में बैटल ऑनर्स, थियेटर ऑनर्स, विक्टोरिया क्रॉस, ऑर्डर ऑफ मैरिट, मिलिट्री क्रॉस, पद्म भूषण, पदमश्री, वीर चक्र, परमवीर चक्र, शौर्य चक्र, कीर्ति चक्र, विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल आदि शामिल हैं। इस सैन्य संगठन की उपलब्धियों में 12 जनवरी 1989 को उस समय चार चांद लग गए जब भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन ने बंगाल सैपर्स को रेजिमेन्ट कलर निशान प्रदान किया। सन 2003 में बीईजी के 200 वर्ष पूरे होने पर देश की तीनों सेनाओं के अध्यक्षों ने अपनी भागीदारी निभाकर इस सैन्य संगठन को गौरव प्रदान किया था। इस सैन्य संगठन ने अपने सैनिकों के बच्चों के लिए दो आर्मी स्कूल और दो केन्द्रिय विधालय खुलवाये। साथ नन्हे–मुन्नों के लिए बंगाल सैपर्स स्कूल भी खोला हुआ है। बंगाल सैपर्स रूड़की के बीच से होकर बह रही ऐतिहासिक गंगनहर का उपयोग जल प्रशिक्षण के लिए करते हैं।

इस सैन्य संगठन की उपलब्धियों में वर्ष 1971 भी शामिल है। तब बंगाल सैपर्स की दो रेजिमेंट ने मधुमती नदी पर 1384 फीट लंबा तैरता हुआ पुल बनाकर अनूठा इतिहास रच दिया था। जिसकी याद अभी तक ताजा है। सैन्य कौशल, देश सेवा की अनूठी मिसाल बीईजी में ऐतिहासिक पवेलियन ग्राउंड, फौजेश्वर मंदिर, संग्रहालय व बीईजी मुख्यालय दर्शनीय है। खेल के क्षेत्र में जहां बंगाल सैपर्स ने अभी तक कई अर्जुन अवार्ड जीते हैं। वहीं, पर्वतारोही, तैराकी, नौकायन में भी बंगाल सैपर्स ने महारथ हासिल की है। ऐसे सैन्य संगठन का देश ही नहीं पूरी दुनिया लोहा मानती है। जिसपर देश को नाज है।

सूर्य उपासना का पर्व है छठ पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा

ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर–प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है।

छठ पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। यह व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है। छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है।

छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है। पांच दिन तक चलने वाले ये पर्व छठ पूजा तक चलते है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग–अलग प्रांतों में अलग–अलग रीति–रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां–जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही

छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं।

छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते हैं। व्रत के पहले दिन को नहा–खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं।

छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकल कर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर–परिवार की सुख– समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई–बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा।

एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। जिसकी शुरुआत सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा कर–के की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय–खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय–खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है।

छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नहीं ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख–समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इसमें मुख्य रूप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है लेकिन सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा–पाठ करते हैं। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

ललित गर्ग

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत–कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत–कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ–साथ कनाडा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है।

गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ऑंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो–निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर–शोर से पाला–पोसा जा रहा है। मामला सिर्फ इतना नहीं है, कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ होने दे रहा है, तो इस पर पूरी विश्व बिरादरी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम सीमा पार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तानी दंश को लंबे अरसे से भोगते रहे हैं और अब कनाडा में जो हो रहा है, वह भी एक तरह से सीमा पार अलगाववाद फैलाना ही है। भारत को कनाडा के साथ अमेरिका के रवैये पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू को खुले तौर पर संरक्षण दे रहा है। भारत के खिलाफ विदेश की धरती से हो रहे इन षड़यंत्रों एवं साजिशों को गंभीरता से लेना होगा।

पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। इस नतीजे पर पहुंचने का एक कारण यह भी है कि कनाडा के साथ अमेरिका की भी नागरिकता लिए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कुछ दिनों पहले यह धमकी दी थी कि कनाडा के हिंदुओं को दीवाली नहीं मनाने दी जाएगी। इस धमकी के बाद भी यदि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू मंदिर में धावा बोलने आ गए तो इसका यही मतलब निकलता है कि कनाडा सरकार का उन पर लगाम लगाने का कोई इरादा नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वहां के प्रमुख विपक्षी दल के नेता ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाए जाने की निंदा की, लेकिन इनमें से किसी ने भी खालिस्तान समर्थकों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं समझा, इससे स्पष्ट है कि कनाडा सरकार खालिस्तानियों को खुला समर्थन कर रही है। बहरहाल, यह तय है कि रह–रह कर सामने आ रही यह हिंदू–सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए भारत सरकार पर अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप–प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। कनाडा सरकार इसके कोई ठोस प्रमाण न देकर खुद को ही हंसी का पात्र बनाया।

खालिस्तान समर्थक अतिवादी तत्वों ने हिंदू मंदिर परिसर में भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक शिविर को भी निशाने पर लिया। इस शिविर में बड़ी संख्या में सिख भी मौजूद थे। साफ है कि खालिस्तान समर्थक कनाडा में रह रहे हिंदुओं के साथ सिखों के लिए भी मुसीबत बन रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने जिस हिंदू मंदिर को निशाना बनाया, उसमें सिख भी आते हैं। इन सभी जगहों पर भारतीय उच्चायोग ने पेंशन पाने वाले भारतीयों को जीवन प्रमाणपत्र बांटने के लिए शिविरों का आयोजन किया था। कनाडा में इस तरह के शिविर लगाने की परंपरा पुरानी है। कनाडा में कई बार मंदिरों की दीवारों पर भारत विरोधी नारे भी लिखे जा चुके हैं। खालिस्तानियों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं होने से उनका दुस्साहस बढ़ रहा है।

याद आते हैं कुआं, ताल–पोखर वाले दिन

प्रमोद दीक्षित मलय

जून 2024, दूसरे पखवाड़े के 5 दिन ही बीते थे। सूरज अपनी ही आग में जला जा रहा था। तीखी तेज धूप से पेड़ों की छाया भी सूख कर सिमट गई थी। अपने झुंड से बिछड़ बादल का एक छोटा टुकड़ा धूप से लुका छुपी खेलने में मशगूल था। नीरस व्याकुल शाम थके मजदूर सी घर जाने की जल्दी में थी। शहर के जलस्रोत सूख चुके थे। मेरा ध्यान अपने गांव के जल से लबालब भरे बड़े तालाब की ओर अनायास चला गया। मुझे लगा कि गांव जाकर तालाबों की वर्तमान स्थिति पर एक लेख लिखना चाहिए। हालांकि गांव बहुत दूर तो न था पर नौकरी और घर–परिवार की व्यस्तता एवं जिम्मेदारी उठाते वर्षों से गांव जाना सम्भव नहीं हो सका था। पुश्तैनी मकान अब आखिरी सांसें गिन रहा था। दैनंदिन संझवाती, दिया–बाती के अभाव में उपेक्षा के अंधेरे में घिरा मकान ढहने लगा था। लगभग डेढ़ दशक बाद मैं गांव जाने वाला था, सुबह की प्रतीक्षा थी।

उस रविवार की सुबह भी कुछ अलग न थी। गरम हवा मानो पंख बांधकर उड़ रही थी। मीठी चटनी के साथ दो परांठे और चाय उदरस्थ कर पानी की बोतल बैग में रख मैंने गांव की बस का पहला नम्बर पकड़ लिया था। बस की खुली खिड़की से आ रही हवा में शीतलता न थी। सवारियों में ज्यादातर फेरी लगाने वाले थे, दो–तीन विद्यार्थी थे और शादी–विवाह के निमंत्रण जाने वाले दो एक परिवार थे। हां, पीछे की लम्बी सीट पर बैंड बजाने वाले अपने साज लिए बैठे थे। बस में इत्र, पसीने और बीड़ी के धुएं की मिली–जुली गंध पसरी थी। मैं खिड़की के बाहर भागते पेड़ों को देखते झपकी लेने लगा था। अचानक बस के ब्रेक चरमराये और कंडक्टर मुझे झिंझोड़ते हुए बोला, "बाबू जी, आपका स्टाप आ गया, यहीं उतर लें।" मेरे साथ दो फेरी वाले और एक परिवार उतरा, सभी ने अपनी राह पकड़ी। मैंने बोतल निकाल गला तर किया, गमछा सर पर डाला और रजबहे (छोटी नहर) की दाहिनी पट्टी पर चलने लगा। मुख्य सड़क से सौ मीटर की दूरी पर अहीर–आरख समुदाय का पुरवा है। यहां रजबहे के ठीक बगल में एक बड़ा पक्का कुआं हुआ करता था पर अब वह मुझे कहीं दिख नहीं रहा था। कभी रात के दस–ग्यारह बजे तक इस कुएं पर चहल–पहल रहा करती थी। नहाना–धोना, पशुओं को पानी पिलाना, घर के लिए पीने के पानी का यह एकमात्र स्रोत एवं सहारा था। भोर से ही पनिहारने मंगलगीत गाती अपनी–अपनी गगरियां भरने लगतीं। जगत के बाहर की ओर बनी चरही में पशुओं के लिए पानी भरा जाने लगता। भाभी देवर की हंसी–ठिठोली का गवाह बनता वह कुआं कितनी पीढ़ियों के कुआं पूजन की रस्म का साक्षी रहा है। पर अब न कुआं था, न हंसी–ठिठोली के स्वर, न कुआं पूजन की रस्म। हृदय में वेदना की लकीर खिंच गई। सौ कदम बढ़ा ही था कि ध्यान आया वहां से सौ कदम की दूरी पर जामुन का एक बड़ा पेड़ हुआ करता था जिसकी एक डाल कुछ–कुछ पालकी के बांस की तरह टेढ़ी होकर रजबहे की दूसरी पट्टी तक फैली थी। बरसात के मौसम में हम बच्चे अक्सर उस डाल से नहर के पानी में छपाक–छपाक से कूदते थे, बंद आंखों से वह दृश्य मानो साक्षात वर्तमान हो उठा था, पर आंख खुली तो निराशा हाथ लगी, अब कोई पेड़ न था। वहां से सड़क मेरे पुरवा की ओर मुड़ी और अब मैं अपने घर–मकान के समृद्ध अतीत के खंडहर में खड़ा था। हर कमरा अटारी की दीवारें गिर चुकी थीं, बस पहचान के लिए कुछ दीवारें जमीन से सिर उठाये सांसें ले रही थीं, शायद मेरे आने की प्रतीक्षा थी उन्हें। सहसा मुझे सिसकने की आवाज सुनाई दी, मैं चारों तरफ घूम गया पर कोई न दिखा। फिर लगा कि कोई मेरी अंगुली पकड़कर खींच रहा है। मैं कुछ समझ नहीं पा रहा था कि तभी दीवारें बोल उठीं, "आने में बहुत देर कर दी बेटा, अब यहां कुछ भी शेष नहीं। क्यों आये हो, चले जाओ अपने शहर।" मुझे लगा टूटी दीवारों पर मेरे बैठे पुरखे सवाल कर रहे हों, झिड़क रहे हों। मैं ख्यालों में खोया था कि तभी एक जंगली खरहा आंगन में उग आई झाडी से निकल बाहर खेत की ओर भाग गया और बबूल में बैठे बगुले पंख फड़फड़ाते उड़ गये। मेरी तंद्रा टूटी। अरे! आंगन का जामुन का पेड़ कहा गया। मुझे याद आया कि बाबा के मना करने के बाद भी मैं चोरी–छिपे पेड़ पर चढ़कर काले चित्तीदार जामुन खाया करता था और एक बार डाल टूट जाने से गिरते–गिरते बचा था। अगर मेरी टूटी हुई डाल नीचे की डाल में नहीं फंसी होती तो, कल्पना मात्र से मेरी देह में सिहरन दौड़ गई। मैं खोई बिखरी स्मृतियों को समेटने में जुटा था। बाहर नीम के नीचे बने कच्चे चबूतरे का अब नामोनिशान न था एक जिसके एक ओर जानवरों के लिए लडौरी बना दी गई थीं। मेरे नाक में निंबोली और जानवरों की सानी एवं खली–भूसा की मोहक महक पसर गई थी। उस खंडहर के वीराने में एक टूटी दीवार में बैठ स्मृतियों का स्रोत कुरेदने लगा था। तो देखा कि घर के बिल्कुल सटी तलैया गायब थी। पिता जी बताया करते थे कि मकान बनाने के लिए मिट्टी खोदने से वह तलैया बनी थी जिसे हम 'डबरा' कहते थे। उस डबरे में बारिश का पानी भर जाता और पूरे साल गर्मियों तक काम आता। घर के बर्तन वहीं धुले जाते, पशु–पक्षी पानी पीते, सुबह भोजन हेतु चावल भी दौरी में वहीं धोये जाते। डबरा के चारों ओर कोई मेड़ न थी, खेत के बराबर ही था, बीच में गहरा और फिर ऊपर की ओर उथला होते तीन ओर से खेतों से जुड़ जाता। एक ओर जहां हम प्रयोग करते थे, एक पत्थर की पटिया और कुछ ठोके रख दिए थे। वहीं पर कुछ अन्य पौधे भी लगाए थे। डबरा से सटी बांस की तीन कोट थीं जिस पर बारिश में अपने आप उग आए रेरुआ, लौकी, कद्दू की बेल फैल जाती और चार पांच महीने भरपूर सब्जी मिलती।

बैसाख के बाद डबरा का पानी सूखकर घटने लगता। तब पशुओं के पीने के लिए नहरों में पानी छोड़ा जाता। पुरवा के कुछ हम उम्र तरुण और बच्चे रजबहे से बरहा द्वारा पानी तालाब तक लाते। पाने लाने में कई दिन लगते। जल संरक्षण के प्रति यह समझ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती जाती। इसी डबरा के पानी से गैरी–खपरा किया जाता, आंवा को बंद करने के लिए पुआल के ऊपर लगाने के लिए गारा भी डबरा से निकालते। इस तरह हर साल डबरा साफ होकर नया रूप धारण कर लेता। डबरा के तीनों उथले हिस्सों में धान अपने आप उग आता जिसे 'पसही का धान' कहा जाता था तो पूजा और व्रत–उपवास में प्रयोग किया जाता। घर और डबरा से लगे हमारे खेत थे। धानन और गेहूं की फसलें होतीं, मेंड़ पर अरहर। हमारे खेतों के अंत की ओर एक दो–तीन बीघे का बड़ा खेत पोखर कहलाता था। उसमें देर से पकने वाली धान की बेड लगाई जाती। उसका धान लगभग मकर संक्रांति तक पकता और कटाई होती, उधर दूसरे खेतों में गेहूं बोना शुरू हो चुका होता। इस पोखर के ऊपर के बाहरी हिस्सों में गेहूं बोया जाता, अंदर का हिस्से में होली के बाद तक पानी भरा रहता। सारस और बगुले जलीय जंतुओं मछली–केकड़ा की दावत उड़ाते रहते। तब हमारे गांव में पानी का कोई संकट न था। दस हाथ खुदाई में में पानी निकल आता। फसलों की सिंचाई वर्षा आधारित थी। न खाद न कीटनाशक न ज्यादा पानी। जेठ–आषाढ में घूरे की खाद खेतों में फैला दी जाती, खेत ताकतदार बनते, मिट्टी में पानी का ठहराव अधिक रहता, खूब नमी बनी रहती। जब मैं बड़ा हुआ और अधिक पढ गया तो पोखर को दूसरे खेतों के बराबर समतल करा दिया। बाद में अपनी मूर्खता पर रोना आया कि पोखर जमीन की नमी बनाये रखने के लिए कितना महत्वपूर्ण था, पक्षियों से भी नाता टूट गया। पुरवा के दूसरे डबरे पाट दिए गये, और गांव के तीनों तालाब के भीटों पर मकान उग आये हैं। आज गांव में भी पानी संकट है। ताल संस्कृति और जल देवता की आराधना के प्रति अनुराग नहीं बचा। खेत प्यासे हैं, पशु बेहाल है, पखेरू व्याकुल और हम मानव अपने सीने पर विकास का तमगा लगाए खुशी से झूम रहे हैं। पर एक सवाल मुंह बाये खड़ा है कि हम आने वाली पीढ़ी को पूर्वजों से मिली समृद्ध धरोहर सहेज कर क्यों न दे पाये? पर हम मौन हैं, अभी भी समय है, अगर चेत सके तो चेत जायें।

(लेखक शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक एवं लोक दर्शन यात्रा के संयोजक हैं।)

भाजपा में परिवार भाव के साथ एकजुटता से किया जा रहा है कार्य, सभी सीटों पर खिलेगा कमल: श्रवण सिंह बगडी

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित 17 मंत्री, विधायक और भाजपा पदाधिकारी 6 को रहेंगे प्रवास पर

चमकता राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के उपचुनावों को लेकर पूर्णरूप से सक्रिय नजर आ रही है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जहां हर उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर चुनावी रणनीति तय कर रहे है, वहीं भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में विकास के नाम पर आमजन से मतदान की अपील भी कर रहे है। इधर दूसरी ओर भाजपा पदाधिकारी, कैबिनेट के मंत्री सरकार के कार्यों को लेकर जनता के बीच पहुंच रहे है। संगठन स्तर पर भाजपा का एक-एक पदाधिकारी, कार्यकर्ता चुनावों में जुटा हुआ है। भाजपा प्रदेश कार्यालय से महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी और उनकी टीम लगातार

उपचुनावों में प्रवास कार्यक्रमों के साथ क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय जननेताओं को आमजन के बीच भेज रहे है। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर नियमित रूप से चुनाव प्रबंधन के साथ प्रवास कार्यक्रम की रूपरेखा तय की जा रही है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने कहा कि प्रदेश के उपचुनावों में भाजपा सभी सातों सीटों पर भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएगी। भाजपा में कार्यकर्ता से लेकर आमजन एकजुट होकर कमल के लिए कार्य कर रहे है। भाजपा में एकजुटता नजर आ रही है, वहीं कांग्रेस में भितरघात देखने को मिल रहा है। भाजपा सरकार के मंत्रीगण मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 10 माह में किए ऐतिहासिक कार्यों को जनता के बीच पहुंचा रहे है, फिर चाहे वो बजट घोषणाएं हो या फिर रोजगार सृजन के लिए राइजिंग राजस्थान 2024 की कार्य योजना। मुख्यमंत्री शर्मा विकसित राजस्थान के लिए लगातार प्रयासरत है और उनके विकास कार्यों के आधार पर भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीट जीतेगी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने कहा कि भाजपा में परिवार भाव के साथ काम किया जाता है, भाजपा पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ता और आमजन मिलकर चुनाव लड़ रहे है। ऐसे में उपचुनावों के माहौल को देखते हुए कांग्रेस भाजपा के सामने कहीं भी नजर नहीं आ रही, माहौल भाजपा के पक्ष में है और निश्चित रूप से सभी प्रत्याशी जीतेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि बुधवार 6 नवंबर को खींवसर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राज्य सरकार के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड और भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल प्रवास पर रहेंगे। इसी तरह रामगढ में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, गुजरात योग बोर्ड के चैयरमैन शीशपाल, विधायक भागचंद टांकडा, झुंझुनूं में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती और सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, दौसा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभूलाल सैनी, सलूंबर में मंत्री जोराराम कुमावत, विधायक सुरेंद्र सिंह, दीप्ति माहेश्वरी, समाराम गरासिया तथा चौरासी में मंत्री बाबूलाल खराडी प्रवास पर रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्नेह मिलन समारोह में की शिरकत

चमकता राजस्थान। जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दौसा के मोहल्ला खटीकान में आयोजित दिवाली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित करने है तो भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत के साथ जीताकर विधानसभा भेजना होगा। भाजपा की जीत के बाद क्षेत्र के विकास की गारंटी मंच पर उपस्थित प्रत्येक जननेता की होगी। स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश मंत्री महेंद्र सैनी, विधायक संदीप शर्मा, रमेश खींची, पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा, जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा, छगन बेनीवाल सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अनुशासन व लगन सफलता की कुंजी : राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान। जयपुर। यूनिराज एलुमिनी फेडरेशन द्वारा गुणवान विद्यार्थी सम्मान समारोह आज जयपुर के सी स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। यूनिराज एलुमिनी फेडरेशन के संस्थापक चेयरमैन राजीव अरोड़ा और विद्यालय के प्रिंसिपल की अध्यक्षता में स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में खेल और बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट में आए करीब 105 विद्यार्थियों को यूनिराज की तरफ से मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। होनहार विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने कहा कि अनुशासन और कठिन परिश्रम का विद्यार्थी जीवन में महत्व बार बार दोहराया जाता रहा है, और इनके बिना सफलता प्राप्त करने का कोई विकल्प नहीं है। राजीव अरोड़ा ने गुणवान विद्यार्थी अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन के हर पड़ाव, हर क्षेत्र में उपलब्धि के सम्मान से आत्म विश्वास में वृद्धि होती है, और यही आत्मविश्वास सुनहरे भविष्य का सोपान होता है।

विद्यालय प्रिंसिपल सीमा जैन ने यूनिराज के फाउंडर डायरेक्टर डा आलोक गुप्ता, डॉ नितिन शारदा भगेरिया, अनिल गोयल और संजय झँवर को पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित इस उत्साहवर्धक कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भौड़ा गांव में सवामनी कार्यक्रम हुआ आयोजित

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। उपखण्ड के गांव भौड़ा गांव में केहरी सिंह सेवानिवृत अध्यापक के द्वारा सवामनी कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इसी के साथ में राम भक्त हनुमान जी को सवामनी प्रसादी का भोग लगाकर सेवानिवृत अध्यापक ने परिवार और क्षेत्रवासियों के लिए सुख शांति, अमन,चैन समृद्धि और खुशहाली के लिए रामभक्त हनुमान जी से कामना की। सवामनी कार्यक्रम के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में प्रसादी के रूप में राजस्थानी पकवान दाल बांटी, चूरमा की दावत बनाई गई। प्रसादी पाने के लिए आसपास के ग्रामीणों ने भाग लिया। इस मौके पर हरभान सरपंच, यूथ कांग्रेस जिला महासचिव कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठरा, धर्म सिंह सरपंच जगजीवनपुर, भगवान सिंह सीबीईओ वैर, मान सिंह पूर्व सरपंच गुठाकर, रंगलाल उप प्रधान, अजीत ताजपुर, धारा सिंह, टुडुपुरा आदि अथितिगण शामिल हुए।

जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ के पंकज मीणा का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी उपखण्ड में आज जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी धौलपुर के प्रदेश प्रभक्ता पंकज मीणा का धौलपुर बाड़ी स्थित भाजपा कार्यालय पर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वागत कार्यक्रम में किसान मोर्चा के महामंत्री संतोष शर्मा, कंचनपुर मंडल अध्यक्ष रामप्रसाद, युवा मोर्चा कंचनपुर मंडल उपाध्यक्ष मानवेन्द्र परमार, जिला उपाध्यक्ष शुभम परमार, पार्षद महेश कुशवाह, पार्षद हरिदेव शर्मा, सहकारिता संयोजक रविन्द्र सिंह गुर्जर और विजेंद्र सोनी सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पंकज मीणा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी चुनावों के लिए पार्टी की मजबूती और एकजुटता पर जोर दिया। सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

डॉ.रामकेश परमार का जीवन सर्व समाज के लिए समर्पित

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । सरमथुरा उपखण्ड के ग्राम आगई के बालाजी गार्डन में डॉ. रामकेश परमार के जन्मदिन के शुभ अवसर पर एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में विभिन्न समाज के छात्र-छात्राओं को डॉ. रामकेश परमार ने व्यक्तिगत रूप से प्रमाण पत्र, मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया। समारोह में राजपूत समाज के जिला अध्यक्ष भागीरथ सिकरवार, सीईओ जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रधान अजय मलिंगा, नरोत्तम परमार, सरपंच महेंद्र सिंह सहित कई अन्य प्रमुख समाजसेवी और गणमान्य

लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा से हुई, उसके बाद डॉ. रामकेश परमार ने बच्चों को सम्मानित किया और समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सर्व समाज के लिए समर्पित है। और वे हमेशा समाज की सेवा करते रहेंगे।

राजपूत समाज के जिला अध्यक्ष ा सिकरवार ने इस तरह के कार्यक्रमों के महत्व को समझाते हुए कहा कि इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। शिक्षा मिशन के संस्थापक नरोत्तम परमार ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। और हमें इनकी मदद करनी चाहिए ताकि ये आगे बढ़ सकें। समारोह में पत्रकार बंटी परमार को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने संबोधन में समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी की बात कही। कार्यक्रम का संचालन श्यामवीर सिंह ने किया, और इस दौरान सभी उपस्थित लोगों का माला और साफा पहनकर स्वागत किया गया।

बाढ़ में मृतकों के परिजनों को नौकरी देने की माँग

● मुख्यमंत्री के नाम ओएसडी को दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। बाढ़ और गम्भीर नदी के पानी में डूब कर मरे लोगों के परिवारजनों को एक एक सरकारी नौकरी और दस दस लाख रुपये की सरकारी मदद करने की माँग को लेकर सोमवार को पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और किसान नेता इन्दल सिंह जाट द्वारा मुख्यमंत्री के नाम लिखे ज्ञापन को मुख्यमंत्री जनसुनवाई केन्द्र भरतपुर कार्यालय में ओएसडी आर के त्रिपाटी को पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह जाट द्वारा माँग पत्र दिया गया ।

मुख्यमंत्री के नाम दिये माँग पत्र में भरतपुर के पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और किसान नेता इन्दल सिंह ने राज्य सरकार से पानी में डूब कर मरे करीब दो दर्जन मृतकों के परिवारजनों को एक एक चतुर्थ क्षेणी अथवा सफाई कर्मचारियों की नौकरी और प्रत्येक परिवार को दस दस लाख का मुआवजा दिया जाये।

उन्होंने माँग पत्र में कहा है कि ग्राम फरसो (श्रीनगर) में पानी में डूबकर 7 लोगों की मौते हुई थी जिसके बाद अकाल राहत मंत्री डाक्टर किरोड़ी लाल मीणा मृतकों के घर आये थे , मंत्री ने दो परिवारों को सरकारी नौकरी की घोषणा की थी लेकिन उसमें अभी तक कोई कार्यवाही आगे नहीं बढ़ी । उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा और बैंकों में फसल बीमा के अन्तर्गत जो भी परिवार आते है उन परिवारों की जाँच करके मृतकों के परिवारजनों को वो लाभ भी मिलने चाहिये । पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने गत दिन ग्राम श्री नगर (फरसों) का दौरा किया था ।

ज्ञापन में कहा गया है कि पाँचना बाँध से गम्भीर नदी के मार्फत अत्याधिक पानी छोड़ा गया था जिसकी बजह से भरतपुर जिले में भारी जनधन की हानी उठानी पड़ी है , पीड़ित किसानों को उचित फसल बर्बादी का भी मुआवजा नही मिला और जिन लोगों की मौते हुई है वो बहुत ज्यादा दुःखद है क्योंकि मृतकों में अधिकांश जवान और बच्चे थें। उन्होंने कहा कि सभी मृतक गरीब , किसान और मजदूरों के साथ साथ अनुसूचित जाति और पिछडे वर्ग के लोग थे ।

उन्होंने पाँचना बाँध के पानी का बँटबारा करने तथा गम्भीर नदी को बाणगंगा नदी से जोड़ने की भी माँग की ।

मुख्यमंत्री के ओएसडी ने ज्ञापन लेकर तुरन्त वयाना उपखन्ड अधिकारी को शीघ्र सभी बिन्दुओं की जाँच कर कार्यवाही करने और जल्दि आवास्यक कार्यवाही से अवगत कराने के आदेश भी जारी किये ।

कृष्णा कॉलोनी में दिनदहाड़े घूम रहा है जरख, कॉलोनी वासी परेशान

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखण्ड की कृष्णा कॉलोनी स्थित रेलवे स्टेशन के पीछे पिछले एक महीने से जंगली जरख की सक्रियता देखने को मिल रही है। जिससे कॉलोनी में दहशत का माहौल बना हुआ है। दिन के समय भी यह जरख खुलेआम सड़कों और गलियों में घूम रहा है। और कई बार तो यह घरों में भी घुस चुका

है। हाल ही में, जरख एक घर में घुस गया था। लेकिन सौभाग्य से किसी को नुकसान नहीं हुआ। इसके बावजूद कॉलोनी वासियों के बीच चिंता और डर का माहौल बढ़ गया है। बच्चों और महिलाओं ने घरों से बाहर निकलना कम कर दिया है। और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से कई बार शिकायत की है। लेकिन एक महीने से ज्यादा वक्त बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कॉलोनी वासी अब इस बात को लेकर परेशान हैं। कि आखिर कब जिम्मेदार विभाग इस जंगली जानवर को पकड़ेगा। और इलाके में शांति बहाल करेगा।

कुसुम- सी योजना में हुई प्रगति की समीक्षा

अवार्ड जारी सोलर पावर प्लांटों की हो शीघ्र स्थापना- आरती डोगरा (चेयरमैन डिस्कॉम)

चमकता राजस्थान

जयपुर। डिस्कॉम चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबन्ध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने कुसुम-सी योजना के तहत सौलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए जारी किए गए अवार्ड के उपरान्त सभी आवशयक कार्यवाहियां पूर्ण कर शीघ्र सोलर पावर प्लांटों की स्थापना के निर्देश दिए हैं।

डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र में लगाए जा रहे इन प्लांटों की प्रगति की मंगलवार को विद्युत भवन के कान्फेन्स हॉल में डिस्कॉम अधिकारियों व वेण्डरों के साथ समीक्षा कर रही थी। बैठक में

अवार्ड जारी करने के बाद भी पीपीए नही करने वाले वेण्डर्स से एक-एक कर उनको अवार्ड किए गए प्लांट को स्थापित करने की दिशा में अब तक हुई प्रगति एवं उनकी स्थापना में आ रही बाधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि दिक्कतों को दूर करते हुए सोलर पावर प्लांटों की शीघ्र स्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि कुसुम-सी योजना में डिस्कॉम के सब- स्टेशन के पास ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांटों को शीघ्र स्थापित करना बहुत आवशयक है ताकि किसानों को दिन के समय कृषि कार्य के लिए सौर ऊर्जा की उपलब्धता हो सके।

डिस्कॉम चेयरमैन ने कहा कि सोलर पावर प्लांट स्थापित करनें के लिए सभी आवशयक फारमेलिटी को पूर्ण कर पावर परचेज एग्रीमेन्ट करने की कार्यवाही शीघ्र की जाए। इसके तहत बीजी, एसपीवी, प्लांट के लिए भूमि की उपलब्धता आदि के मुद्दों का शीघ्र समाधान कर पीपीए करने की कार्यवाही की जाए। बैठक में उपस्थित वेण्डर्स ने आश्वस्त किया कि अतिरिक्त प्रयास करके शीघ्र सोलर पावर प्लांट स्थापित करने की कार्यवाही की जाएगी।

राज्य सरकार की मंशा के अनुरुप किसानों को दिन के समय कृषि कार्य हेतु बिजली उपलब्ध करवाने के लिए जयपुर डिस्कॉम द्वारा कुसुम-सी योजना के तहत पूर्व में 693 मेगावाट के 278 सोलर पावर प्लांटों की स्थापना के लिए टेण्डर जारी किए गए थे। इन प्लांटों की शीघ्र स्थापना के लिए डिस्कॉम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसके साथ ही 207 मेगावाट के 72 प्लांटों की स्थापना के लिए भी जयपुर डिस्कॉम द्वारा नए टेण्डर जारी किए गए हैं।

बैठक में निदेशक तकनीकी एस. एस.नेहरा, मुख्य लेखा नियंत्रक ए.के.जोशी, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता पीपीएम आर.के. शर्मा, अधीक्षण अभियन्ता कुसुम ए.के.बटवाड़ा सहित बड़ी संख्या वेण्डर उपस्थित रहे।

जेडीए प्रकाशन मौन धारण कर बना हुआ है धृतराष्ट्र

जयपुर विकास प्राधिकरण के ईकॉलोजीकल जोन 10 में भू माफियाओं की पौ बारह पच्चीस

जेडीए की बेशकीमती सरकारी भूमि पर बेखौफ सृजित कर रहे हैं नवीन अवैध कॉलोनी

जेडीए द्वारा कार्रवाई के नाम पर ऊंट के मुंह में जीरा

जेडीए डीसी व विजिलेंस अधिकारी बने हुए हैं अनजान

भू-माफियाओं द्वारा धड़ल्ले से जोन 10 में जेडीए की सरकारी जमीन को की जा रही हैं खुद-बुर्द

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)! राजधानी जयपुर में भू माफियाओं द्वारा बैखोफ सरकारी जमीनों पर अवैध कॉलोनियों की बसावट कर धड़ल्ले से भूमाफिया अवैध कॉलोनियां बेच रहे हैं. लेकिन जेडीए के अधिकारी चाहे विजिलेंस हो या जोन उपायुक्त सब हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं.

प्रदेश की बात छोड़िए राजधानी में ही सरकारी जमीन को खुर्द-बुर्द करने के मामले धड़ल्ले से जारी है! इन अधिकारियों की नियुक्तियां ही अवैधअतिक्रमण, निर्माण के लिए लगाई गई लेकिन इनका इसमें कोई इंटरेस्ट है या कोई ओर कारण ये सभी के समझ से परे हैं.अधिकारियों की नजर नहीं पड़े ये मामला फिर भी समझा जा सकता है लेकिन अगर कोई परिवादी या शिकायतकर्ता दस्तावेजों के साथ इसकी शिकायत कर रहा है उसके बाद भी अधिकारी भूमाफियाओं की की मदद करते नजर आते हैं. ऐसे कई मामले हैं लेकिन जोन 10 का एक ऐसा ही संवेदनशील और ज्वलनशील मामला है जयपुर विकास प्राधिकरण के अधीन जोन 10 के ग्राम बगराना, जयपुर के खसरा नम्बर 280 जो कि राजस्व रिकॉर्ड में जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम दर्ज है, पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर सृजित की जा रही

जयपुर के खसरा नम्बर 280 जो कि राजस्व रिकॉर्ड में जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम दर्ज है जिसपर अवैध रूप से कब्जा कर भू-माफियाओं द्वारा जविप्रा की भूमि पर अवैध कॉलोनी का सृजन कर एवं ग्रेवल रोड़ डालकर, भूखण्डों का सृजन करते हुए व मकान व दुकानों का निर्माण करते हुए उनका विक्रय किया जा रहा है। उक्त खसरा नम्बर 280 मुख्य राजमार्ग से 100 फीट चौड़ी लिंक रोड़ पर स्थित है जो बेशकीमती है, परन्तु भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर जयपुर विकास प्राधिकरण को करोड़ो रूपयों की हानि पहुंचाते हुए भोले-भाले लोगो को अवैध रूप से बैक डेट में सोसायटी के पटटे आवंटित कर उनके साथा धोखाधड़ी की जा रही है। उक्त सम्बन्ध में ग्रामवासियों द्वारा पूर्व में भी जविप्रा में शिकायतें प्रस्तुत की गई परन्तु उन शिकायतों पर आज दिनांक तक जविप्रा द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्यवाही अमल में. नहीं लाई गई जिससे भू-माफियाओं के हौसले बुलन्द हो गये है और बेझिझक बैक डेट में पटटे काटते हुए जविप्रा की भूमि को खुर्दबुर्द किया जा रहा देखते है। कि आखिर कब तक अतः जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी सरकारी खसरें जिसका नम्बर 280 जो कि जयपुर विकास प्राधिकरण की भूमि है, को भू-माफियाओं से मुक्त कराकर अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनी व डाली गई ग्रेवल रोड़ को तुरन्त प्रभाव से ध्वस्त करवा पाती हैं या नहीं आपको बता दें कि जविप्रा के स्वामित्व की बेशकीमती भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो सके साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण के राजस्व की हानि को रोका जा सकता एवं भोले-भाले लोग भूमाफियाओं से मुक्त भी किया जासकता है।

जेडीए के जोन 10 में ग्राम बगराना जयपुर में बीघा जमीन का राजस्व रिकॉर्ड देखें तो ये जयपुर विकास प्राधिकरण की सरकारी जमीन है. जिसका खसरा नंबर 280 है. जहां पर भूमाफिया अवैध तरीके से छोटे-छोटे टुकड़ों में कॉलोनियां काटकर बेच रहे हैं. सस्ती रेट के चलते लोग इनके झांसे में आ जाते हैं और लोगों को भूमाफिया पुरानी तारीखों के पट्टे भी दे रहे है.इसको लेकर स्थानीय निवासियों ने कई बार जगह जगह शिकायतें की, जिस पर भूमाफियाओं की ओर से धमकियां भी दी गई, लेकिन जेडीए के अधिकारी ऐसे मामलों में कोई एक्शन लेते हुए नजर आते हैं. जबकि जेडीए को खुद तत्काल मामला ध्यान में आते ही संज्ञान लेना चाहिए.

शिकायतकर्ता ने कहा कि मैं विगत कई दिनों लगातार इस मामलें की शिकायत कर रहा हूं लेकिन जेडीए की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. भूमाफियाओं ने जेडीए की जमीन पर बिजली विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत करके पोल भी लगा दिए. जब इस मामले की शिकायत बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों तक पहुंची पर इसपर भी लीपापोती ही हुई

जबकि बिजली विभाग की ओर से बिना डॉक्यूमेंट्स देखें वहां पर लोगों को कनेक्शन भी जारी किए जा रहे हैं जबकि अवैध अतिक्रमण, निर्माण को लेकर विधायक बालमुकुंदाचार्य ने भी नाराजगी जताई थी.उन्होंने जेडीए के विजिलेंस अधिकारियों को यह तक कह दिया था कि आपका बार बार तबादला हो जाता है लेकिन आप बार बार यहीं ही क्यों आ जाती हैं. जिस पर विजिलेंस के अधिकारी उनके पांव पड़ते हुए नजर आए थे. अब ये सवाल तो हर आम आदमी के मन में उठता है कि आखिर जेडीए विजिलेंस में वो ही अधिकारी बार बार क्यों आ जाते हैं, क्या इनके बिना विजिलेंस का काम नहीं हो सकता या ये अधिकारी इतनी पावर रखते हैं कि ये जहां चाहे वहीं लग जाएं.इकॉलोजिकल जोन में बसावट पर वैसे ही रोक है, लेकिन इकॉलोजिकल जोन में लगातार अवैध बसावट जारी है. भूमाफिया लगातार कॉलोनियों में बसावट कर रहे हैं. इसको लेकर अधिकारियों से जब सवाल पूछा जाता है तो एक ही जवाब मिलता है ध्यान में नहीं है, मामला ध्यान में आएगा तो कार्रवाई करेंगे.इसको लेकर जेडीसी आनन्दी से भी सवाल पूछा गया था, जिस पर उन्होंने कहा कि कोई स्पेसिफिक मामला ध्यान में है तो बताए. हमने कहा था हम लगातार ऐसे मामले दिखा रहे हैं. अब देखते हैं कि मामला सामने लाने के बाद भी अधिकारी कार्रवाई करते हैं या केवल ये भी खानापूर्ति ही साबित होगी.भूमाफियाओं की ओर से अवैध कॉलोनियां काटकर लोगों को पट्टे भी दिए जा रहे हैं. जबकि इसमें लोगों को तथ्यों को छुपाकर प्लॉट बेचने का काम किया जा रहा है। सरकार को तो भूमाफिया चूना लगा ही रहे हैं साथ ही लोगों को भी ठगने का काम कर रहे हैं.

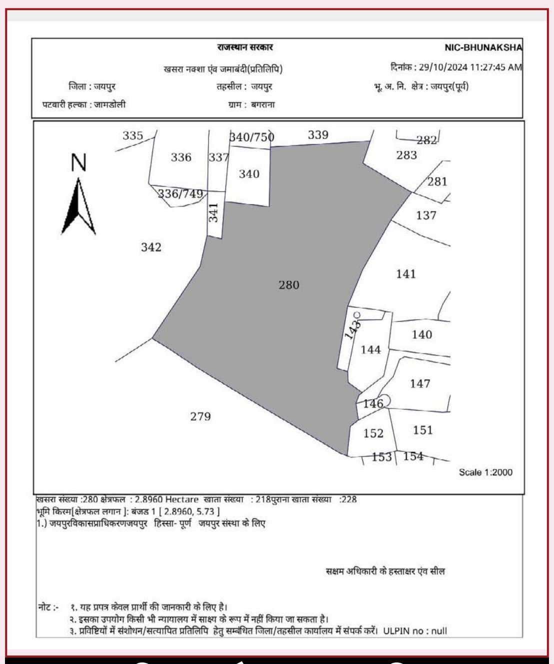
राजस्थान सरकार
NIC-BHUNAKSHA
खसरा नक्शा एंव जमाबंदी(प्रतिलिपि)
दिनांक : 29/10/2024 11:27:45 AM
जिला : जयपुर
तहसील : जयपुर
भू. अ. नि. क्षेत्र : जयपुर(पूर्व)
पटवारी हल्का : जामडोली
ग्राम : बगराना

खसरा संख्या :280 क्षेत्रफल : 2.8960 Hectare खाता संख्या : 218पुराना खाता संख्या :228
भूमि किस्म[क्षेत्रफल लगान]: बंजड 1 [2.8960, 5.73]
1.) जयपुरविकासप्राधिकरणजयपुर हिस्सा- पूर्ण जयपुर संस्था के लिए

सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर एंव सील

नोट :- १. यह प्रपत्र केवल प्रार्थी की जानकारी के लिए है।
२. इसका उपयोग किसी भी न्यायालय में साक्ष्य के रूप में नहीं किया जा सकता है।
३. प्रविष्टियों में संशोधन/सत्यापित प्रतिलिपि हेतु सम्बंधित जिला/तहसील कार्यालय में संपर्क करें। ULPIN no : null

भू माफिया ने जयपुर विकास प्राधिकरण के राजस्व रिकॉर्ड की सरकारी जमीन पर सृजित कर डाली नवीन अवैध कॉलोनी

मंत्री खर्रा के सरकारी भूमि पर अवैध कॉलोनियों बसी तो उसे ध्वस्तीकरण किया जायेगा वाले बयान की आखिर क्यों नहीं हो रही जेडीए द्वारा अनुपालना

सरकारी भूमि पर कॉलोनी बसी तो उसे ध्वस्त किया जाएगाः मंत्री झाबर सिंह खर्रा

विगत दिनों विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान जेडीए के जोन दस में सरकारी जमीन पर कॉलोनी काटे जाने का मामला सदन में गूंजा था। बगरु से भाजपा विधायक कैलाश वर्मा ने सरकारी पाल व तालाब पेटा भूमि पर अवैध कालोनियों काटी जा रही है का गंभीर मामला उठाया था।इस पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आश्वासन देते हुए कहा था कि पूरे मामले की जांच करवाएंगे और यदि सरकारी भूमि पर अवैध कालोनियों बसी है तो पूरी कॉलोनी ध्वस्त करवाई जाएगी। जो लोग कॉलोनी विकसित कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।खर्रा ने कहा कि यह सही है कि नई कॉलोनियों से जितना विकास शुल्क जमा हुआ, उतना विकास नहीं हो पया। मार्ग निर्धारण नहीं होने से सडकों का निर्माण नहीं हो पाया। इसलिए हम टाउनशिप पॉलिसी 2010 में बदलाव करने जा रहे हैं। उससे काफी बदलाव आएगा।

जेडीए के जोन 10 के आगरा-दिल्ली रोड पर सरकारी भूमि पर नवीन अवैध कालोनियों बसाकर बड़े पैमाने पर किया जा रहा है खुर्द-बुर्द

राजधानी जयपुर स्थित जयपुर विकास प्राधिकरण जोन-10 में भूमाफिया मनमानी कर अवैध रूप से कॉलोनी विकसित कर रहे हैं। इसमें उनके द्वारा ग्राहकों को लुभाने के लिए बाकायदा नक्शा तैयार किया जाता है। आठ से 10 हजार रुपए प्रति गज में भूमाफिया भूखंड बेच देते हैं। इसके बाद विकास को पहुंचने में कई वर्ष लग जाते हैं। जोन 10 के दिल्ली रोड स्थित जयसिंहपुरा खोर और आगरा रोड पर भी भूमाफिया सक्रिय हैं। सरकारी भूमि पर अवैध कालोनियों बसावट कर उन्हें ओंने पोनें दामों में खुर्द-बुर्द कर चांदी कूट रहे हैं।

सीएमएचओ जयपुर प्रथम में शक्ति दिवस का हुआ विधिवत आयोजन

- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रदेश को अनिमिया मुक्त की बनाने के लिए हुआ दृढ़संकल्पितः डॉ. विजय सिंह फौजदार**

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी)जयपुर प्रथम! 5 नवंबर ' जिला जयपुर प्रथम में मंगलवार को शक्ति दिवस आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की अनिमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता हैउप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. प्रवीण

झरवाल ने बताया कि अभियान के तहत बच्चों, उन महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

जल जीवन मिशन के कार्यों को अब मिलेगी गति

चमकता राजस्थान

जयपुर(खलील कुरैशी) 5 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों एवं पहल पर प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को गति प्रदान करने के लिए 23 जिलों के 46 पंचायत समितियों के 507 गांवों में 181 कार्यादेश जारी करने के लिए 658.12 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इससे न केवल प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को गति मिलेगी बल्कि इन जिलों के 1.12 लाख घरों में घरेलू जल कनेक्शन उपलब्ध करवा कर लाभान्वित किया जाएगा।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। लेकिन पूर्ववर्ती सरकार सरकार ने इस योजना को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी वजह से निर्धारित समय अवधि में काम पूरे नहीं हो सके। अब राज्य सरकार हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। योजना को गति देने के लिए 658.12 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

- **भजनलाल सरकार के अथक प्रयासों से अब हर घर जल का सपना होगा साकार**
- **जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए 658.12 करोड रुपए किए स्वीकृत**
- **23 जिलों के 507 गांवों के लिए 181 कार्यादेश जारी होंगे**

- **प्रदेश के इन जिलों में होंगे कार्य आदेश**

जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने बताया कि प्रदेश के अजमेर, बालोतरा, बारां, भरतपुर, चित्तौडगढ़, डीग, धौलपुर, गंगापुरसिटी, हनुमानगढ, जैसलमेर, झालावाड़, जोधपुर, करौली, केकड़ी, पाली, सवाईमाधोपुर, सिरोही, श्री गंगानगर एवं उदयपुर के 33 पंचायत समितियों के 413 गांवों के लिए 520.28 करोड़ रूपये की 137 कार्यादेश जारी किये जायेगे। इन स्वीकृतियों से ना केवल जल जीवन मिशन के कार्यों को गति मिलेगी बल्कि इन जिलों के गांवों में रहने वाले व्यक्तियों को योजना के तहत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा जो कि हर घर जल के सपने को साकार करेगा।

- **आदर्श आचार संहिता के बाद इन जिलों मे जारी होंगे कार्यादेश**

जलदाय मंत्री ने बताया कि प्रदेश के अलवर, डुंगरपुर, झुंझुनु व सलुम्बर मे आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के कारण इन जिलों मे आदर्श आचार संहिता के बाद कार्यादेश जारी किये जायेंगे।उल्लेखनीय है कि प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना के तहत 46.31 लाख (48 प्रतिशत) घरों में घरेलू जल संबंध स्थापित कर लाभान्वित किया जा चुका है।

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का सुव्यवस्थित और सफल आयोजन सुनिश्चित करें: मुख्य सचिव, सुधांशु पंत

मुख्य सचिव ने ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के लिए गठित कार्यसमितियों की प्रगति की समीक्षा की

चमकता राजस्थान

जयपुर,!(खलील कुरैशी) 05 नवंबर। ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को पर्यटन, सामान्य प्रशासन, नगरीय विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) को निर्देश दिए कि वे 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में होने वाले इस इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के सुव्यवस्थित और सफल आयोजन के लिए हरसंभव प्रयास करें। समिट के महत्व पर जोर देते हुए पंत ने कहा कि यह आयोजन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसलिए, सभी विभागों को इसकी सफलता सुनिश्चित करनी चाहि-ए।इस समिट के तहत राजधानी जयपुर के सौंदर्यीकरण, मीडिया एवं प्रचार तथा ब्रांडिंग, राजकीय अतिथियों के लिए प्रोटोकॉल एवं आवास, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पर्यटन और अन्य व्यवस्थाओं पर गठित समितियों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव पंत ने कहा कि राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में अब केवल एक ही महीना बचा है और इस दौरान, सभी संबंधित विभागों को इस आयोजन के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।इस आयोजन में शामिल होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और संभावित निवेशकों की उपस्थिति के मद्देनजर जयपुर को अपने बेहतरीन स्वरूप में प्रस्तुत करने के महत्व पर भी जोर देते हुए मुख्य सचिव पंत ने पर्यटन और नगरीय विकास विभागों को ऐसा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में पंत ने कहा कि इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान सभी स्मारकों और सार्वजनिक स्थानों का प्रबंधन उच्चतम मानकों पर होना चाहिए और जयपुर शहर के अंदर की व्यवस्था बेहतरीन होनी चाहिए।

इस उच्चस्तरीय बैठक में ‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राजधानी जयपुर के सौंदर्यीकरण, मीडिया एवं प्रचार तथा ब्रांडिंग, राजकीय अतिथियों के लिए प्रोटोकॉल एवं आवास, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पर्यटन और अन्य व्यवस्थाओं पर गठित समितियों ने अपने-अपने कार्यों का अपडेट देते हुए हाल के महीनों में उठाए गए कदमों की जानकारी दी और कामों की प्रगति को साझा किया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि उनकी सभी गतिविधियां समन्वित होनी चाहिए तथा इस तीन दिवसीय प्रतिष्ठित कार्यक्रम के आयोजन हेतु उच्चतम मानकों का पालन किया जाना चाहिए।&बैठक में, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को चार्टर उड़ानों के सुचारू प्रबंधन को सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम में आने वाले प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने के लिए कहा गया, वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) को मीडिया और प्रचार-प्रसार से जुड़ी सभी गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश तर्ज दिया गया। इसके अलावा, यह भी तय किया गया कि आपसी समन्वय और तैयारियों को दुरुस्त करने के लिए अन्य समितियों के कामों की भी समीक्षा जल्द ही की जाएगी।बैठक में उद्योग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, पर्यटन, सामान्य प्रशासन और सूचना एवं जनसंपर्क विभागों के प्रमुख और सचिव तथा सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 एक नज़र में

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।प्रदेश में निवेश हेतु राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न कंपनियों के साथ 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं और इसके तहत मुंबई, दिल्ली, दक्षिण कोरिया, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सिंगापुर, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और सऊदी अरब में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर रोड शो, विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्री-समिट्स और जिला-स्तरीय समिट्स आयोजित किए जा चुके हैं।इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, स्टार्टअप, खनन जैसे क्षेत्रों पर थीम-आधारित सत्र का आयोजन होगा, वहीं विभिन्न देशों के लिए विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पाली में पुलिस थाना खिंवाड़ा का कानिस्टेबल 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 05 नवम्बर, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की पाली-प्रथम इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये कानाराम मीणा कानिस्टेबल, पुलिस चौकी कोट सोलंकियान, पुलिस थाना खिंवाड़ा, जिला पाली को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मे-हरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की पाली-प्रथम इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके खेत में भैंस मरी पाई जाने के मामले में कार्यवाही नहीं करने की एवज में आरोपी कानाराम मीणा कानिस्टेबल द्वारा 20 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी की पाली-प्रथम इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र डूकिया के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी कानाराम मीणा कानिस्टेबल को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी कानिस्टेबल द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर किया जा रहा उन्नयन

- **182 चिकित्सा संस्थानों में पीपीपी मोड पर जल्द उपलब्ध होगी हीमोडायलिसिस सुविधा,**
- **निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में:- गायत्री राठौड़**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 5 नवम्बर। राज्य सरकार प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर उन्नयन सुनिश्चित कर रही है। बड़े शहरों के साथ-साथ कस्बों एवं गांव-ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता के साथ मिले, इसके लिए विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। इसी दृष्टि से प्रदेश में करीब 182 चिकित्सा संस्थानों पर डायलिसिस सुविधा चरणबद्ध रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौर ने बताया कि प्रदेश में 352 पंचायत समिति मुख्यालयों पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हीमोडायलिसिस की सुविधा चरणबद्ध रूप से प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी। इसके तहत प्रथम चरण में 50 या 50 से अधिक बैड के चिकित्सा संस्थानों में यह सुविधा प्रारंभ की जा रही है।उन्होंने बताया कि 182 चिकित्सा संस्थानों में हीमोडायलिसिस सुविधा पीपीपी मोड पर प्रारंभ किए जाने के लिए निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। तकनीकी एवं वित्तीय निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही शेष प्रक्रिया पूर्ण कर हीमोडायलिसिस की सुविधा प्रारंभ कर दी जाएगीउल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष में अब तक सर्वाधिक बजट प्रावधान किया गया है, जो कुल बजट का लगभग 8.26 प्रतिशत है

पुलिस थाना मनोहरपुर व रसद विभाग की मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

पुलिस ने 7.5 क्विंटल नकली पनीर नष्ट करवाकर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार एक टैम्पू जब्त

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर !(खलील कुरैशी)। आनन्द शर्मा (आईपीएस) जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 05.11.24 को मुखबीर खास द्वारा राजेन्द्र कुमार पु.नि. थाना मनोहरपुर को सूचना मिली कि अलवर से जयपुर की तरफ टेम्पू नम्बर फख 02 ऋछ 2990 में नकली पनीर जा रहा है। आदि सूचना पर तस्दीक व नाकाबन्दी करने हेतु थाने से लीलाधर हैड कानि मय जाप्ता के टोल प्लाजा मनोहरपुर पर पहुंचकर मुताबिक सूचना के नाकाबन्दी की गई। दौराने नाकाबन्दी एक टैम्पो फख 02 ऋछ 2990 आता हुआ दिखाई दिया जिसको रोककर चैक किया तो पीछे दो ड्रम व चार बोक्स मिले जिनमें पनीर भरा हुआ था जिसके बारे मे उक्त दोनो व्यक्तियो से पूछताछ की गई तो कोई कागजात व बिल बिल्टी व लाईसेंस होना नही बताया। जिनको नाम पता पुछा तो एक ने अपना नाम तहसीम व दुसरे ने अपना नाम मानसिंह होना बताया जिनको मय टेम्पू के थाना लेकर आये तथा सूचना रसद विभाग की टीम को दी गई जिस पर रसद विभाग द्वारा टेम्पू में भरे पनीर का सेम्पल लिया जाकर शील्ड मोहर कर शेष नकली पनीर 7.5 क्विंटल को गड्डा खोदकर मिट्टी में नष्ट किया गया। रसद विभाग द्वारा पृथक से कार्यवाही की जावेगी।

- **गिरफ्तार आरोपियों का नाम एवं पता -**

(1)! तहसीम पुत्र शुभम उम्र 20 साल निवासी भोण्ड थाना जिरखा फिरोजपुर जिला मेवात हरियाणा।(2). मानसिंह पुत्र मातादीन प्रजापत उम्र 35 निवासी कोल गाव थाना किशनगढ जिला अलवर।

पुलिस टीम का विवरण:- राजेन्द्र कुमार पु.नि.थानाधिकारी, लीलाधर हैड कानि 389, सुरज्ञान कानि 1721, दारा सिंह कानि 2380

गुरुजी डॉ. गौरीशंकर का आशीर्वाद लेने पहुंचे वन मंत्री संजय शर्मा

- **भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों ने किया मंत्री संजय शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर ज़ोरदार स्वागत**

चमकता राजस्थान। पावटा/जयपुर (खलील कुरैशी)। ज्योतिष आचार्य पं. डॉ. गौरीशंकर शर्मा के आवास ग्राम भांकरी में मंगलवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने पहुँचकर आर्शीवाद लिया। उन्होंने इसे गुरु शिष्य मिलन यात्रा का नाम दिया है। उन्होंने बताया की यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत श्रद्धा का प्रतीक थी, बल्कि स्थानीय संस्कृत्ति और परंपराओं के प्रति उनकी आस्था व सम्मान को दर्शाती है। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण मंत्री तंजय शर्मा ने अपने गुरु पं. डॉ. गौरीशंकर शर्मा के आवास पर पहुंचकर श्रद्धा पूर्वक को गुरुजी को दण्डवत प्रणाम किया। साथ हि उन्होंने ज्योतिष आचार्य पं.डॉ.गौरीशंकर शर्मा द्वारा आयोजित अखंड रामचरित मानस के पाठ के समापन समारोह में भाग लिया। इस मौके पर वन मंत्री संजय शमां ने गुरुजी डॉ. गौरीशंकर शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया। इस दौरान संतकुमार टीलावत, गिरिराज प्रसाद शास्त्री. लक्ष्मीतारायण कुमावत, रामस्वरूप शर्मा, शिम्भु दयाल मिश्रा, सुरेश प्रधान, राधेश्याम लोमोड, राजेंद्र यादव, दिलीप अग्रवाल, दिनेश पाराशर, लालाराम तंवर, वेद प्रकाश मिश्रा, महेंद्र, अम्बिकेश्वर शर्मा, इंजीनियर देवेन्द्र कुमार, मामराज कुमावत, हर्षवर्धन व वशवर्धन शर्मा, मातादीन आदि ग्रामीणो ने मंत्री संजय शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। मंत्री शर्मा ने सादगे का परिचय देते हुए भोजन प्रसादी ग्रहण की और अपनी झूठी प्लेट भी स्वयं के हाथों से उठताई, जो उनकी विनम्रता और सेवा भावना को दर्शाती है। पं शर्मा के आवास पर आये दिन राजनेताओ, मंत्री, विधायकों का जमावड़ा लगा रहता है। पं. शर्मा लोगों की निशुल्क हस्तरेखा देखकर उनकी भविष्यवाणी करते है, जिनकी भविष्यवाणी सटीक होती है।

नए सिरे से तैयार होंगे मानक, परफॉर्मेंस में पिछड़े तो होगी कार्रवाई

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लागू होगा रैंकिंग सिस्टम

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री राठौड़ ने की समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 5 नवंबर। प्रदेशभर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी जिलों की रैंकिंग की जाएगी। इसके लिए नए सिरे से मानक तैयार किए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आधार पर निर्धारित मानकों की जिलों को पालना सुनिश्चित करनी होगी। प्रदर्शन औसत स्तर से नीचे होने पर संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में इस सम्बन्ध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिले स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी के स्तर को और बेहतर बनाएं। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जांच मशीनों का हो समुचित उपयोग

राठौड़ ने कहा कि सभी जिलों में यह सुनिश्चित किया जाए कि जांच उपकरणों एवं मशीनों का समुचित उपयोग हो। मानव संसाधन की कमी से किसी मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा हो तो तत्काल प्रभाव से कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नियमानुसार कार्मिक लगाए जाएं। साथ ही, नई मशीनों को तुरंत प्रभाव से इंस्टॉल करवाया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। जांच मशीनों का समय–समय पर मेंटीनेंस करवाया जाए।

मा योजना का करें प्रभावी क्रियान्वयन, सबकी आभा आईडी बनाएं

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आमजन को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना महत्वाकांक्षी पहल है। इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए अधिकाधिक लोगों को इस योजना से जोड़ें। आयुष्मान कार्ड वितरण के शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए जाएं। आयुष्मान आरोग्य शिविरों का नियत दिवस पर आवश्यक रूप से आयोजन हो। शत–प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही यू विन पोर्टल पर इसका नियमित अपडेशन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा तंत्र को मजबूत बनाने एवं उपचार में सुगमता के लिए सभी व्यक्तियों की आभा आईडी बनाई जाए। इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने लक्ष्य में पिछड़ने वाले जिलों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मॉडल सीएचसी की घोषणा पर मिशन मोड में काम करें

प्रमुख शासन सचिव ने बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में मॉडल सीएचसी की घोषणा को मूर्तरूप देने के लिए मिशन मोड में कदम उठाएं। इन सीएचसी के लिए आवश्यक संसाधन एवं सेवाएं जल्द उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा की दृष्टि में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर नजर रखें। सुरक्षाकर्मियों के माध्यम से यह सुनिश्चित करें कि मरीज एवं उनके परिजन सहित अधिकृत व्यक्तियों का ही अस्पताल में प्रवेश हो।

मौसमी बीमारियों पर रखें पैनी नजर

बैठक में मौसमी बीमारियों की भी समीक्षा की गई। राठौड़ ने कहा कि मौसमी बीमारियों के केस कम होने के बावजूद सतर्कता बरतें। बचाव के लिए आवश्यक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जाएं। जांच एवं उपचार की माकूल व्यवस्था रहे।बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित, राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी, निदेशक आईईसी शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

संक्षिप्त खबरें

करौली जिले के थाना मासलपुर में वांछित 25 हजार का इनामी गोविंद गुर्जर गिरफ्तार

- नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 1 साल से था फरार, कर्नाटक, बेंगलुरु, हैदराबाद, गुजरात में काटी फरारी

चमकता राजस्थान। जयपुर/करौली !(खलील कुरैशी) 5 नवंबर। करौली के थाना मासलपुर इलाके में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में करीब 1 साल से फरार चल रहे आरोपी गोविंद गुर्जर पुत्र कप्तान निवासी परमल्ला पुरा को थाना पुलिस एवं सीओ कार्यालय की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी पर 25000 का इनाम घोषित है।एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि 24 सितंबर 2023 को नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट थाना मासलपुर पर दर्ज हुई थी। पुलिस टीमों द्वारा काफी प्रयासों के बाद बालिका को तत्समय कर्नाटक से दस्तयाब किया था। मामले का अनुसंधान सीओ अनुज शुभम द्वारा किया जा रहा था। अनुसंधान के दौरान अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म के तथ्य सामने आए। जिस पर पुलिस ने 22 दिसंबर 2023 को एक आरोपी दिनेश गुर्जर निवासी बरबटपुरा को गिरफ्तार कर लिया था, जो अभी न्यायिक हिरासत में है।एसपी उपाध्याय ने बताया कि घटना का दूसरा आरोपी गोविंद सिंह उसी समय से फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी कार्यालय द्वारा 25000 के इनाम की घोषणा की गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार तभी से दबिश दे रही थी। इसी दौरान सोमवार को हैड कांस्टेबल परमजीत सिंह व कांस्टेबल राजेश कुमार को प्राप्त हुई आसूचना पर सीओ ऑफिस की टीम एवं मासलपुर थाना पुलिस की टीम ने मासलपुर मोड़ से आगे भद्रावती नदी के पुल के पास दबिश देकर इनामी आरोपी को डिटेन कर लिया।इनामी अभियुक्त गोविंद पिछले 1 साल से कर्नाटक, बेंगलुरु, हैदराबाद, गुजरात आदि स्थानों पर छुपकर फरारी काट रहा था। जिसे अनुसंधान के बाद पुलिस ने नाबालिग के अपहरण एवं सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

उप प्रधानाचार्य की गोली मारकर हत्या

मुरादाबाद। थाना मझोला क्षेत्र साईं कन्या विद्या जूनियर हाईस्कूल के उप प्रधानाचार्य शबाबुल की मंगलवार को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर भाग निकले। हत्यारोपित बदमाश सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गए। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है। घटना के वक्त उप प्रधानाचार्य पैदल घर से स्कूल जा रहे थे। इस दौरान पीछे से बाइक पर दो बदमाश आए और सिर में गोली मार दी। भाजपा महानगर मंत्री शम्मी भटनागर का थाना मझोला क्षेत्र स्थित साईं कन्या विद्या जूनियर हाईस्कूल है। क्षेत्र के ही रहने वाले शबाबुल उप प्रधानाचार्य थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गई फैसले की घड़ी, हैरिस और ट्रंप का इम्तिहान

वाशिंगटन/नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका में अगले चार साल की दिशा तय करने की बहुप्रतीक्षित घड़ी आ गई। यहां मंगलवार सुबह अगले राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए मतदान शुरू होगा। संभावना है देररात यह भी तय हो जाए कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ड्रंप में से कौन व्हाइट हाउस पहुंचेगा। अब देखना यह बाकी है कि अमेरिकी मतदाता अपना अगला पथ प्रदर्शक किसे चुनते हैं। कुल आठ उम्मीदवारों में मुख्य मुकाबला भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच है।

बांग्लादेश में वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (बीएफयूजे) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल को गिरफ्तार किया गया है। शाहबाग पुलिस ने उन्हें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। शाहबाग थाना प्रभारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने मोल्ला जलाल की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मोल्ला जलाल को सोमवार को राजधानी के सेगुनबागीचा इलाके से हिरासत में लिया गया और बाद में जेल भेज दिया गया।

बोलेरो की टक्कर से सब्जी विक्रेता की मौत

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के भटेवरा बाजार में सोमवार की देर शाम बोलेरो की टक्कर से सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। बोलेरो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। विजयपुर गांव के दीनूपुर बस्ती निवासी पप्पू सोनकर (45) सोमवार को भटेवरा बाजार में सब्जी की दुकान लगाए था। दुकान के पास शाम को लगभग पौने सात बजे पैदल जा रहे सब्जी विक्रेता को मीरजापुर की ओर से आ रही तेजरफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दिया। हादसे में पप्पू सोनकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाजार के लोगों ने उसे पीएचसी सरोई विजयपुर भेजा।

प्रतिबंधित पदार्थ के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर। बारामुला जिले से पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उसने इको पार्क बारामुला में स्थापित एक नाके के दौरान एक व्यक्ति को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 65 ग्राम प्रतिबंधित चरस बरामद की गई।

आदर्श सौर ऊर्जा राजस्व गांव को मिलेगी एक करोड़ की प्रोत्साहन राशि : अनुपम

कार्यवाही करने का निर्देश

- छह महीने के भीतर पहले स्थान पर आने वाले गांव को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकाय घर-घर अभियान चलाकर योजना का प्रचार करेंगे

शिमला। एजेंसी

शिमला में उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में 'पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना' की जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने बताया कि इस योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पन्न करने का प्रावधान है। 2 किलोवाट क्षमता तक के सोलर यूनिट पर 60 प्रतिशत और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के बीच अतिरिक्त प्रणाली पर 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक जिला शिमला में लगभग 13,000 लोगों ने आवेदन किया है, जिनमें से 300 आवेदनों को विभागीय मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को अन्य आवेदनों पर भी शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए ताकि योजना का लाभ जिले के नागरिकों को समय पर मिल सके। अनुपम कश्यप ने आगे बताया कि 'पीएम सूर्य घर' योजना के तहत शिमला जिले में 2,000 से अधिक जनसंख्या वाले राजस्व गांवों को आदर्श सौर गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। 2011 की जनगणना के अनुसार, जिले में चार राजस्व गांव - छकड़ेल, नेरवा, त्यावल और सुंडा भौर - ऐसे हैं, जिनका चयन आदर्श सौर गांव के रूप में किया जाएगा। इन गांवों के बीच प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी और छह महीने के भीतर पहले स्थान पर आने वाले गांव को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि योजना के तहत स्थानीय निकायों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान है जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निकाय घर-घर अभियान चलाकर इस योजना का प्रचार करेंगे।

शहरी स्थानीय निकाय और सार्वजनिक प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाएंगे, जिसके अंतर्गत प्रति छत सोलर पैनल की स्थापना पर 1,000 रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। उपायुक्त ने सभी खंड विकास अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के लिए भी कहा ताकि योजना के प्रचार-प्रसार में किसी प्रकार की कोई रुकावट न हो। साथ ही, उन्होंने बताया कि 100 किलोवाट से अधिक बिजली खपत वाले सरकारी भवनों का भी चयन किया जाएगा, ताकि उनके सोलर पैनल लगाने के लिए सर्वेक्षण किया जा सके और आगामी कार्यवाही की जा सके।

एस जयशंकर की ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात

कैनबरा। एजेंसी

भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने आज यहां अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपने पड़ोसी देशों, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। इस अवसर पर जयशंकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने अपने एक्स हैंडल पर इस मुलाकात का संक्षिप्त विवरण और फोटो साझा करते हुए लिखा "आज कैनबरा में 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता (फॉरेन मिनिस्टर्स फ्रेमवर्ग डायलॉग) का समापन हुआ। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। यह मजबूत राजनीतिक संबंधों, मजबूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विस्तारित व्यापार, अधिक गतिशीलता और गहन शैक्षिक संबंधों में परिलक्षित होता है।" वोंग ने एक्स पर लिखा, "ऑस्ट्रेलिया और भारत की साझेदारी हमारे साझा क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

मैंने 15वीं ऑस्ट्रेलिया-भारत विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए कैनबरा में अपने अच्छे मित्र डॉ. एस. जयशंकर का स्वागत किया।" वोंग ने घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया अगले साल 2025 में पहली बार भारत में 'फर्स्ट नेशंस बिजनेस मिशन' भेजेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, कृषि, शिक्षा, कौशल और पर्यटन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं।

कमला हैरिस की जीत के लिए तमिलनाडु में पैतृक गांव में पूजा-अर्चना

चेन्नई। एजेंसी

तमिलनाडु में कमला हैरिस के पैतृक गांव में उनकी जीत के लिए आज पूजा-अर्चना के साथ विशेष प्रार्थना की गई। दक्षिण भारत का यह अपेक्षाकृत अनजान गांव तब चर्चा में आया जब अमेरिका में बाइडेन ने 2020 के चुनाव से पहले हैरिस को अपना उपराष्ट्रपति घोषित किया।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के तमिलनाडु स्थित पैतृक गांव थुलसेंद्रापुरम के निवासियों में उत्साह है। पूरे गांव में उनके चेहरे वाले बड़े बैनर लगाए और पोस्टर चिपकाए गए हैं। गांव के मंदिरों में उनकी जीत के लिए अनुष्ठान का आयोजन किया गया। 20 अक्टूबर 1964 को जन्मीं कमला देवी हैरिस अमेरिकी राजनेत्री और वकील हैं। वह 2021 से संयुक्त राज्य अमेरिका की 49वीं और वर्तमान उपराष्ट्रपति हैं। वे संयुक्त राज्य की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। कमला जनवरी 2021 में उपराष्ट्रपति बनीं। वह पहली अफ्रीकी-अमेरिकी उपराष्ट्रपति और पहली एशियाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। गांव में लगे एक बैनर में उन्हें जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। ग्रामीणों ने उन्हें पत्र भेजकर उनकी जीत की कामना की है यह गांव चेन्नई से करीब 100 किलोमीटर और वाशिंगटन से करीब 14,000 किलोमीटर दूर है। गांव के मुख्य मंदिर धर्मस्था में कमला की जीत के लिए विशेष पूजा की गई है।

पूर्व पार्षद अरुलमोझी सुधाकर ने कहा हम उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए कल सुबह विशेष पूजा करेंगे।उनकी जड़ें भारतीय हैं। हमारे गांव में उनके पूर्वजों का घर है और वह एक ऐसी महिला हैं जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक में इतने बड़े पद के लिए लड़ रही हैं। इससे हमें गर्व है और हम चाहते हैं कि वह जीतें। उन्होंने कहा कि अगर हैरिस जीतती हैं तो तिरुवरुर जिले के पैंगानाडु में अन्नदानम का आयोजन कर गरीबों को मुफ्त भोजन कराया जाएगा।

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मुद्दे पर हमास व फतह करीब आए

गाजा। एजेंसी

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मसले पर आतंकवादी संगठन हमास और फिलिस्तीन का राजनीतिक व सैन्य संगठन फतह करीब आए हैं। हमास ने मिस्त्र की राजधानी काहिरा में फतह के नेताओं के साथ गाजा से संबंधित मसलों के प्रबंधन के लिए एक समिति बनाने पर चर्चा की। चाइना डेली की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, हमास नेता ओसामा हमदान ने एक वीडियो संबोधन में सोमवार में कहा, "विभिन्न फिलिस्तीनी गुटों से चर्चा के बाद हमने मिस्त्र के आह्वान पर फतह के अपने भाइयों के साथ बैठक की।" हमदान ने कहा, इस दौरान गाजा में युद्ध और फिलिस्तीनी आम सहमति के आधार पर एकीकृत राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। हमास नेता हमदान ने कहा कि फिलिस्तीनी मामलों का प्रबंधन चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैंक में, उसे राष्ट्रीय समझौते के माध्यम से निर्धारित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार है कि गाजा में युद्ध के बाद की व्यवस्था पर चर्चा के लिए हमास और फतह के बीच बैठक की आधिकारिक घोषणा की गई है। इससे पहले शनिवार को मिस्त्र के एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा था कि फतह और हमास के प्रतिनिधि काहिरा में बातचीत कर रहे हैं।

फतह, अरब फिलिस्तीनियों का राजनीतिक और सैन्य संगठन है। इसकी स्थापना 1950 के दशक के अंत में हुई। इसके माध्यम से यासिर अराफात और खलील अल-वजीर का उद्देश्य कम तीव्रता वाले गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से इजरायल के नियंत्रण से फिलिस्तीन को छीनना था।

बाद में अराफात व उनके साथी अब्बास जैसे लोग दूसरे संगठन में चले गए। शुरूआत में इस संगठन को जॉर्डन और लेबनान से सहयोग मिला। 1968 में यह संगठन फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन में मिल गया। फतह वेस्ट बैंक के 40 फीसदी हिस्से पर काबिज रहा है। आतंकवादी समूह हमास क्रूरता के लिए बदनाम है।

सुक्खू सरकार का 'गारंटी पूरी करने' का दावा झूठ का पुलिंदा : भाजपा

शिमला। एजेंसी

विपक्षी दल भाजपा ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार के 'गारंटी पूरी करने' के दावों को झूठ का पुलिंदा करार दिया। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जमबाल ने कहा कि हिमाचल में जिन विकास कार्यों का वादा किया गया था, उनमें से अधिकांश का क्रियान्वयन अधूरा है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने एक ओर तो नए संस्थानों के खोले जाने का झूठा प्रचार किया, जबकि सच्चाई यह है कि उसने प्रदेश में 1,500 से अधिक संस्थानों को बंद कर दिया है। इसके अलावा, 1,100 से ज्यादा स्कूलों को मर्ज किया गया, 10,000 से ज्यादा आउटसोर्स कर्मियों को बाहर कर दिया गया, और लगभग डेढ़ लाख पदों को समाप्त कर दिया गया।

जमवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने केवल 22 महीनों के भीतर 25,000 करोड़ रुपये का नया कर्ज बढ़ा दिया है, जो उनकी कुप्रबंधन का एक और प्रमाण है। उन्होंने पूछा कि जब सरकार का वित्तीय प्रबंधन ही असफल हो चुका है, तो ये किस तरह की 'गारंटियां' पूरी करने का दावा कर रही है? जमवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर नेगी के आरोपों को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि जब जयराम सरकार ने प्रदेश में नए संस्थान खोलकर विकास की नींव रखी थी, तो उसे कर्ज का बोझ डालने का आरोप लगाना उचित नहीं है।

उपचुनाव में जनता डोटासरा की झूठ और अनर्गल बातों का जवाब देगी : दिलावर

दौसा। एजेंसी

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा आए दिन ऊलजलूल बयान बाजी कर रहे हैं। यह उनकी बौखलाहट को दिखाता है। पुरानी कहावत है खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे, जब कांग्रेस के पास मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के खिलाफ बोलने को कुछ नहीं है तो कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा झूठे, मनगढ़ंत आरोप लगाकर जनता को उपचुनाव में बरगलाना चाहते हैं, लेकिन डोटासरा यह भूल जाते हैं कि उनके काले कारनामों की छाया जनता को अभी भी याद है और उपचुनाव में जनता डोटासरा की झूठ और अनर्गल बातों का करारा जवाब देगी।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर मंगलवार को दौसा प्रवास के दौरान बाइपास स्थित एक होटल में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम के साथ पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के शासन में कांग्रेस ने जिस बेरहमी से प्रदेश की जनता के साथ अन्याय और अत्याचार किया वह इतिहास में दर्ज होने लायक है। बेरोजगारों को भर्ती के नाम पर इतना ठगा की, कोई तुलना नहीं की जा सकती। भर्ती परीक्षा के पेपर बेच बेरोजगारों के भविष्य में भी अपने दलालों के जरिए कमाई की और अब उपचुनाव को देखकर जनता को बेवकूफ बनाने के लिए भाजपा सरकार पर मनमाने झूठे आरोप लगा रहे हैं।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष यह भूल जाते हैं कि पिछले पांच साल प्रदेश में उनका ही शासन था। भाजपा सरकार को आए हुए तो अभी मात्र 10 महीने हुए हैं। पांच साल के कुशासन को 10 महीने में सुधारना संभव नहीं है। यह प्रदेश की जनता अच्छी तरह से जानती है। पिछले चार वर्ष में कांग्रेस ने शिक्षकों की किसी भी तरह की पदोन्नति नहीं की।

बदलाव के साथ संस्कार और मौलिकता का भी पालन करें : मीना

सोनीपत। जिला बाल संरक्षण एवं बाल कल्याण समिति ने गन्नौर स्थित प्रयास इंटरनेशनल स्कूल और हैप्पी चाइल्ड स्कूल में छात्र जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य मीना व मांगेराम ने की। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष अनीता शर्मा और जिला बाल संरक्षण अधिकारी रितु गिल भी उपस्थित रहीं। मीना ने बच्चों को संबोधित में कहा कि बदलाव के साथ अपने संस्कार और मौलिकता को भी लेकर आएं। समाज में हो रहे बदलाव के कारण लोग अपने संस्कार और मौलिकता को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि अगर किसी बच्चे के साथ कोई शोषण की घटना होती है, तो उसे चुप रहने या डरने की बजाय इसकी जानकारी अपने माता-पिता को देनी चाहिए ताकि उन्हें इस स्थिति से मुक्ति मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोग हमेशा तत्पर रहता है।

चुनाव › रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के तहत होम वोटिंग शुरू

बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं ने किया घर से मतदान

- 5 से 7 नवंबर तक रहेगी होम वोटिंग की सुविधा
- दिव्यांग मतदाता टिकरापारा निवासी हेमंत बर्छिहा ने अपने घर पर मतदान किया

रायपुर। एजेंसी

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप चुनाव के तहत मंगलवार से होम वोटिंग शुरू हो गई है। मतदान दल अब 85 से अधिम उम्र के बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के घर पहुंचकर वोटिंग करा रहा है। होम वोटिंग करने की सुविधा आज 5 से 7 नवंबर तक रहेगी।

मतदान रथ आज मंगलवार को मालवीय रोड स्थित 98 वर्ष की विटाना गुप्ता के घर पहुंचा, उन्होंने अपने घर पर ही बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया। श्रीमती गुप्ता बताती हैं कि वे हमेशा से निर्वाचन के दौरान मतदान करती रही है। उम्र अधिक होने की वजह से अब मतदान केंद्र तक जाने-आने में काफी दिक्कतें होती है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से शुरू की गई होम वोटिंग की सुविधा काफी लाभदायी है। वे बताती है कि यह बहुत अच्छी सुविधा है कि घर पर ही वोटिंग की सुविधा मिल रही है। इससे बुजुर्गों को भी तकलीफें नहीं होगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

दिव्यांग मतदाता टिकरापारा निवासी हेमंत बर्छिहा ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि चलने-फिरने में बहुत तकलीफें होती है। ऐसे में मतदान घर पर होना बहुत ही अच्छी बात है कि दिव्यांगों को मतदान के लिए दिक्कतें नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग का भी बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि घर पर ही मतदान करने का अवसर प्राप्त हुआ। वे बताती है कि पहले निर्वाचन के दिन में मतदान केंद्र तक आने-जाने में असमर्थता होती थी, लेकिन घर पर मतदान करके बहुत खुशी मिली।

नयापारा निवासी रूकमणी बाई तिवारी ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि उम्र अधिक होने से मतदान केंद्र में आने-जाने में दिक्कते होती थी, लेकिन घर पर आज मतदान दल पहुंचा और तत्काल मतदान सफल रूप से हो गया। इससे मुझे भी बहुत खुशी हुई। बंजारी माता चौक निवासी 85 वर्ष से अधिक उम्र की मतदाता कमला साहू ने भी अपने घर पर ही मतदान किया।

वोकेशनल शिक्षकों को लेकर सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण : रोहित

शिमला। एजेंसी

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राज्य के सरकारी स्कूलों में आउटसोर्स आधार पर सेवारत वोकेशनल शिक्षक धरने पर हैं और प्रदेश सरकार से सरकारी उपक्रमों के तहत नियुक्ति दिए जाने की मांग कर रहे हैं। वोकेशनल शिक्षकों का आउटसोर्स कंपनियों पर वेतन में अनियमिताएं बरतने और विभाग के निदेशों के बावजूद समय पर एरियर का भुगतान न करने का आरोप है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने समय पर एरियर का भुगतान न करने वाली कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। साथ ही वोकेशनल शिक्षकों को सरकारी उपक्रम के तहत भर्ती देने के मामले में शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की वित्तीय बाध्यताएं हैं। देश के ज्यादातर राज्यों में कंपनियों के माध्यम से वोकेशनल शिक्षकों को नियुक्ति दी गई है। विभाग का वोकेशनल शिक्षकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि पिछले महीने सरकार ने वोकेशनल टीचर के वेतन में इजाफा करने का निर्णय लिया था। पहले चरण में नियुक्ति पाने वाले वोकेशनल टीचर्स के वेतन में 2000 और दूसरे फेस में नियुक्ति पाने वालों को 1000 का इजाफा दिया गया। उन्होंने कहा कि वोकेशनल शिक्षक एरियर की बात गलत बता रहे हैं ।

संक्षिप्त खबरें

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट

लंदन। जोस बटलर की इंगिल्श टीम में वापसी के बावजूद फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे। सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने अपने पिछले 108 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 106 में विकेटकीपिंग किया है, और केवल दो मैचों में क्षेत्ररक्षण किया है जो दिसंबर 2023 में इंग्लैंड के पिछले कैरेबियाई दौरे के दौरान त्रिनिदाद में हुए थे। साल्ट ने तीसरे वनडे से पहले बारबाडोस में कहा मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत ज्यादा कुछ नहीं किया है, लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम को सबसे ज्यादा योगदान दे सकता हूं। साल्ट ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में खेले गए 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें मौजूदा वनडे सीरीज में जॉर्डन कॉक्स से आगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जो न्यूजीलैंड में होने वाली आगामी सीरीज में टेस्ट विकेटकीपर जेमी स्मिथ की जगह लेंगे। बटलर पिछले कई महीनों से पिंडली में खिंचाव के कारण बाहर हैं।

वालेंसिया में बाढ़ के बाद फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए : रियल मैड्रिड कोच एंसेलोटी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग में एसी मिलान के खिलाफ ताजा मुकाबले में जीत दर्ज की। बाढ़ के कारण वालेंसिया के खिलाफ उनका सप्ताहांत का मैच स्थगित हो गया था। वालेंसिया क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को स्वीकार किया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित देखना चाहते हैं। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एंसेलोटी, जिन्होंने एसी मिलान को भी कोचिंग दी है, ने वालेंसिया बाढ़ के बारे में बात की और संकेत दिया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित करना पसंद करेंगे। एंसेलोटी ने कहा फुटबॉल एक उत्सव है, और जब सब कुछ ठीक हो, जब आपका परिवार ठीक हो और सब कुछ ठीक हो, तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना चाहिए। एंसेलोटी ने कहा कि एक कहावत है, शो चलता रहना चाहिए हालांकि ऐसा नहीं है।

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने जीता डब्ल्यूबीएफ सुपर फेदरवेट खिताब

नई दिल्ली। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने केमैन द्वीप में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीत लिया है। 31 वर्षीय मुक्केबाज, जो पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के अधीन प्रशिक्षण लेते हैं और अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है, ने अधिकांश राउंड में बढ़त हासिल की। उन्होंने शुरूआत से ही शक्तिशाली मुक्के मारे, 10 राउंड के दौरान अपनी सहनशक्ति बनाए रखी, जबकि ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। जांगड़ा ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए सालों तक कड़ी मेहनत की है।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर उठे सवाल, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए किया गया रिपोर्ट

नई दिल्ली। अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं और इस बार अपनी गेंदबाजी के कारण। काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एकमात्र मैच के दौरान शाकिब की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए अंपायरों द्वारा रिपोर्ट की गई है। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा अपने गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करवाने के लिए कहा गया था। शाकिब ने सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ एक रोमांचक चैंपियनशिप मुकाबले में सरे के लिए ने 63 से ज्यादा ओवर फेंके और नौ विकेट चटकाए।

डब्ल्यूटीए : शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची

- **बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी**

- **सबालेंका की जीत और चीनी खिलाड़ी झेंग किनवेन की रयबाकिना पर पहले 7-6(4), 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित किया**

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने सोमवार को चौथी वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह पर्पल राउंड-रॉबिन ग्रुप में अपराजित रहीं। 26 वर्षीय खिलाड़ी साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के कगार पर है। बुधवार को अंतिम ग्रुप मैच में एलेना रयबाकिना पर जीत या अपनी प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से हार, बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी।

सबालेंका की जीत और चीनी खिलाड़ी झेंग किनवेन की रयबाकिना पर पहले 7-6(4), 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित किया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बुधवार को अपने अंतिम परिणाम के बावजूद अपने समूह में पहले स्थान पर रहेगी, जिससे वह अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन चैंपियन सबालेंका ने रियाद में सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग के खिलाफ अपना पहला मैच भी जीता। चीनी खिलाड़ी और पाओलिनी, जिनका रिकॉर्ड 1-1 है, दोनों सेमीफाइनल के लिए दावेदारी में हैं और बुधवार को उनका आमना-सामना होगा।

स्वियाटेक एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सबालेंका से आगे निकल सकती हैं। मंगलवार को कोको गॉफ से खेलने वाली 23 वर्षीय खिलाड़ी को अपना खिताब बनाए रखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि सबालेंका अपने शेष मैच हार जाएं, ताकि साल के अंत में नंबर एक स्थान हासिल कर सकें।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद कहा मुझे खुद पर गर्व है। सिर्फ. खुद पर नहीं, बल्कि मेरी टीम पर भी। हम कई चीजों पर काबू पाने में सफल रहे।

इतना बढ़िया टेनिस दिखाने और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना, टीम वर्क है। यह सिर्फ. मैं ही नहीं कर सकती। कोई भी पर्दे के पीछे के काम को नहीं देखता। लेकिन वे मेरे लिए बहुत कुछ करते हैं।

हॉकी इंडिया लीग ने अपनी वेबसाइट का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। एजेंसी

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने मंगलवार को 2024-2025 के एचआईएल वेबसाइट का शुभारंभ और बहुप्रतीक्षित सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की। 28 दिसंबर को एचआईएल का पहला मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच खेला जाएगा।

हाल ही में लॉन्च की गई एचआईएल वेबसाइट के जरिये दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताजा खबरें, मैच शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और विशेष वीडियो प्रदान की जाएंगी। एक आकर्षक और मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई, यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजों के लिए अंतिम स्त्रोत होगी, जो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और हॉकी के प्रति उत्साही लोगों को पहले से कहीं ज्यादा खेल के करीब रखेगी। खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए कमर कस रही हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बेहतरीन एचआईएल सीजन होने का वादा करता है। पुरुषों की लीग 28 दिसंबर को राउरकेला में शुरू होगी, जिसमें मैच दो चरणों में जारी रहेंगे और 1 फरवरी 2025 को अंतिम मुकाबला होगा। इस बीच, महिला टीमें 12 जनवरी 2025 को रांची में अपनी लीग यात्रा शुरू करेंगी।

प्राइम टेबल टेनिस लीग के तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा इंदौर

इंदौर। महाराष्ट्र में दो सत्रों की जबरदस्त सफलता के बाद, प्राइम टेबल टेनिस लीग (पीटीटी) का आयोजन मध्य प्रदेश मध्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से इंदौर में किया जाएगा। आगामी लीग 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इंदौर के प्रतिष्ठित अभय प्रशाल क्लब में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित हालिया खिलाड़ी नीलामी में आठ टीमों क्लिपर्स, निंजा, सेंसेशन, स्पार्टन्स, थंडरबोल्ट, योद्धा, लायन वॉरियर और किंग पोंग ने बोली लगाई। नीलामी में 56 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, 8 समर्पित कोचों और 8 कुशल प्रबंधकों की सूची प्रदर्शित की गई। प्रत्येक टीम ने सात खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें 11 से 60 वर्ष की आयु के प्रतिभागी शामिल हैं, जिससे एक समावेशी और विविधतापूर्ण प्रतियोगिता सुनिश्चित होती है। इस सीजन के लिए सबसे प्रतिस्पर्धी रोस्टर बनाने के लिए उत्सुक टीमों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को खरीदा गया। उल्लेखनीय खिलाड़ियों में रूकी बॉय अनुज सोनी शामिल हैं जो लॉयन वॉरियर में शामिल हुए, मार्की महिला अनुषा कुटुम्बले क्लिपर्स में शामिल हुईं, और मार्की पुरुष पंकज कुमार विश्वकर्मा भी क्लिपर्स में शामिल हुए। इसके अलावा, सेंसेशन ने हिमानी चतुर्वेदी को मार्की महिला खिलाड़ी के रूप में सुरक्षित किया, जिससे उनकी लाइनअप में मजबूती आई। प्राइम टेबल टेनिस के सीईओ अभिषेक जैन ने पीटीटी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ?हम पहली बार मध्य प्रदेश में प्राइम टेबल टेनिस लीग लाने को लेकर रोमांचित हैं।

फुटबॉल मैच के लिए खिलाड़ियों की भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने मंगलवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी गाचीबोवली स्टेडियम में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ खेले जाने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। टीम 11 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर के लिए हैदराबाद में एकत्रित होगी। अक्टूबर की शुरूआत में, ब्लू टाइगर्स ने एक दोस्ताना मैच में वियतनाम का सामना किया, जहाँ उन्होंने 1-1 से ड्रॉ के बाद खेल समाप्त किया। वियतनाम के खिलाफ भारत के लिए फारुख चौधरी एकमात्र स्कोरर थे। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अपने पिछले 11 मैचों में जीत हासिल करने में विफल रही है। भारत की आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को फीफा विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के खिलाफ हुई थी, जब उन्होंने अपने विरोधियों को 1-0 से हराया था। भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने टीम में तीन अनुभवी गोलकीपरों को शामिल किया है। संदेश झिंगन, अनवर अली और राहुल भेके को भी टीम में शामिल किया गया ताकि उनकी बैकलाइन मजबूत हो सके।

भारतीय टीम इस प्रकार है :-

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ।

डिफेंडर : आकाश सांगवान, अनवर अली, आशीष राय, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया राल्टे, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन।

मिडफील्डर : अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, जितिन एमएस, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन।

फॉरवर्ड : एडमंड लालरिंदिका, इरफान यदवाड, फारुख चौधरी, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, विक्रम प्रताप सिंह।

क्रिकेट जगत ने विराट कोहली को 36वें जन्मदिवस की दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। एजेंसी

क्रिकेट जगत ने मंगलवार को भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली को उनके 36वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कोहली को जन्मदिन कि बधाई दी। युवराज ने कहा कि दुनिया कोहली की ठोस वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं किंग कोहली हमारी असफलताओं से बेहतरीन वापसी होती है और दुनिया आपकी ठोस वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। आपने पहले भी ऐसा किया है और मुझे यकीन है कि आप इसे फिर से करेंगे। भगवान भला करे! ढेर सारा प्यार। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें 'एक प्रतिष्ठित क्रिकेटर और एक प्रेरक व्यक्ति' कहा। सुरेश रैना ने एक्स पर लिखा एक प्रतिष्ठित क्रिकेटर और एक प्रेरक व्यक्ति, कोहली, जन्मदिन की शुभकामनाएं! आपका आने वाला साल खुशियों और सफलता से भरा हो। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने कहा कि कोहली के रवैये और दृष्टिकोण ने भारत के क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया। बद्रीनाथ ने एक्स पर लिखा एक गोल-मटोल बच्चे चीकू से लेकर महानतम खिलाड़ी बनने तक, आपके रवैये और दृष्टिकोण ने भारत के क्रिकेट खेलने के तरीके को बदल दिया। जन्मदिन की शुभकामनाएं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी मंगलवार को कोहली को उनके 36वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, उस दिन लगा था कि यह लड़का आगे जाकर कुछ अलग बनेगा। एकमात्र और एकमात्र विराट कोहली को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। स्टार इंडिया सीमर मोहम्मद शमी ने कोहली को जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजीं और उन्हें भारतीय क्रिकेट की रीढ़ बताया। शमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारतीय क्रिकेट की रीढ़ और रन-मशीन, कोहली को जन्मदिन की शुभकामनाएं, आपका जुनून और प्रतिबद्धता लाखों लोगों को प्रेरित करती है। आपको सफलता, खुशी और अविस्मरणीय क्षणों से भरा एक साल की शुभकामनाएं। 15 साल से अधिक के शानदार करियर के साथ, विराट कोहली ने अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने दी शुभकामनाएं

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि 36 वर्षीय कोहली का क्रिकेट में सफर अभूतपूर्व रहा है। हरभजन सिंह ने एक्स पर लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं। एक होनहार युवा प्रतिभा से लेकर हमारे समय के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक बनने तक का आपका सफर अभूतपूर्व रहा है। आपने हर जगह महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और खुद पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है। आपको चमक और खुशी के अनगिनत पलों की शुभकामनाएं। चमकते रहो.. कोहली।

बीसीसीआई ने जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी 'सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक' को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा 538 अंतरराष्ट्रीय मैच और गिनती जारी है। 27134 अंतरराष्ट्रीय रन और गिनती जारी है। 2011 आईसीसी विश्व कप विजेता। 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता। 2024 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप विजेता, पूर्व टीम इंडिया कप्तान और सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

व्यापार

शेयर बाजार पर दबाव, उतार-चढ़ाव के बीच निफ्टी और सेंसेक्स लुढ़के

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार शुरुआती घंटे में लगातार जारी उतार-चढ़ाव के बीच दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की, लेकिन बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। सुबह करीब 10 बजे दोनों सूचकांक हरे निशान में पहुंचने में भी सफल रहे, लेकिन इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर कोल इंडिया, अडाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, ट्रेंट लिमिटेड और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 2.79 प्रतिशत से लेकर 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,352 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण लॉन्च

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को यहां भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण की शुरूआत की है। जोशी ने राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्?ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता राज्य मंत्री बीएल वर्मा उपस्थिति थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूसरे चरण के दौरान उपभोक्ताओं को रियायती कीमत पर 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत आटा और 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत चावल उपलब्ध कराया जाएगा। जोशी ने बताया कि दूसरे फेज के शुरूआती चरण में खुदरा बिक्री के लिए 3.69 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 2.91 लाख मीट्रिक टन चावल उपलब्ध कराया गया है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के पहले पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,713.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.37 प्रतिशत फिसल कर 18,172.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,826.20 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,184.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,371.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार की शुरूआत हुई है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 80,540 रुपये से लेकर 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,840 रुपये से लेकर 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर स्थिर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में तेल की कीमतें रहेंगी स्थिर, कच्चे तेल की आपूर्ति के विकल्प मौजूद : हरदीप

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत में तेल की कीमतें स्थिर रहेंगी, क्योंकि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति के विभिन्न विकल्प मौजूद हैं। ब्राजील और गुयाना जैसे देशों से अधिक आपूर्ति बाजार में आ रही है। वर्तमान में तेल की वैश्विक आपूर्ति खपत से अधिक है, जिससे बाजार स्थिर बना हुआ है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा दुनिया के कुछ हिस्सों में भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ता देशों के पास चुनने के लिए कई विकल्प हैं। हरदीप पुरी ने संभावित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं की विविध श्रेणी तक पहुंच के साथ ऐसी स्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए खुद को रणनीतिक रूप से तैनात किया है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी अंतरराष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन (एडीआईपीईसी) 2024 सम्मेलन में भाग लेने के लिए अबू धाबी दौरे पर हैं। वह अबू धाबी में एडीआईपीईसी 2024 के 40वें संस्करण में अन्य वैश्विक नेताओं के साथ शामिल हुए, जो वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन पर एक प्रमुख कार्यक्रम है।

आमजन का जयपुर विकास प्राधिकरण में विश्वास भू-माफियाओं में भय ही प्राथमिकता : कैलाश चन्द बिश्नोई

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के निर्देशन में निर्बाध रूप से अवैध कॉलोनियों, अतिक्रमणों पर कानूनी प्रहार

जेडीए ने सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लॉक जगतपुरा में 200 फीट महल रोड पर करीब 26 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 05 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-9 में जेडीए की अनुमोदित योजना सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लॉक जगतपुरा 200 फीट महल रोड पर जेडीए स्वामित्व की करीब 26 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित जगतपुरा 200 फीट महल रोड पर जेडीए की अनुमोदित योजना सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लाॅक जेडीए स्वामित्व की करीब 26 बीघा बेषकीमती सरकारी भूमि पर अवैध रूप से घूमन्तू लोगों के द्वारा अस्थाई अवैध कब्जा-अतिक्रमण कर करीब 125 स्थानों पर झुग्गी-झोंपडी, बांस तम्बू, तिरपाल,टीनशैड, झाडियां मलवा, 60 स्थानों पर थडियां ठेले, 03 नसर्री, इत्यादि लगाकर, अवैध कब्जे-अतिक्रमण किये जाने पर अतिक्रमणकर्ताओं को धारा 72 जेडीए एक्ट के तहत के नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने हेतु पाबंद किया गया था परन्तु अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर आज उपायुक्त जोन-09 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीनों व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर की जेडीए स्वामित्व की बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा स्वयं मौके पर उपस्थित रह कर उनके निर्देशन एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी तथा तारामती वैष्णव, उपायुक्त जोन-9 के पर्यवेक्षण में उप नियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, तृतीय, एवं चतुर्थ प्रवर्तन अधिकारी जोन-09, 01, 10, 11, 12, 13 तथा पुलिस आयुक्तालय जयपुर शहर से प्राप्त अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय पुलिस थाना रामनगरीया, सांगानेर का पुलिस जाप्ता तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित षिकायतों को हेल्पलाईन नं. 0141-2565800, 0141-2575252, 0141- 2575151 पर 24×7 सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

संक्षिप्त समाचार

महिला डॉक्टर की हत्या पूर्व नियोजित

- सीबीआई को मिले सुराग, कई लोगों के संलिप्त होने के संकेत

कोलकाता/एजेंसी। आरजी कर महिला डॉक्टर से रेप और मर्डर की जांच कर रही सीबीआई को कुछ नए सुराग हाथ लगे हैं। उसके आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसी मान रही है कि हत्या के मामले में कई लोग संलिप्त हैं। सीबीआई का कहना है कि यह भी संभव है कि महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की हत्या सुनियोजित तरीके से की गई हो। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने बलात्कार करने की बात स्वीकार की है। सीबीआई ने वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में प्रभावशाली हस्तियों द्वारा सरकारी अस्पतालों में घटिया और नकली दवाओं की आपूर्ति की बड़ी साजिश और गिरोह का पर्दाफाश किया है। जांच के दौरान यह भी पता चला कि इसके पीछे राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोग शामिल हैं। सीबीआई आरजी कर अस्पताल में रेप-मर्डर और वित्तीय अनियमितता दो मामलों की अलग-अलग जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और टाला थाने के पूर्व पुलिस अधिकारी अभिजीत मंडल के फोन की फोरेंसिक जांच से पता चला है कि दोनों ने कई सबूतों को मिटाया है। इससे माना जा रहा है कि दोनों ने हत्या और दुष्कर्म के साक्ष्य को डिलिट किया। इससे उनकी संलिप्तता पर संदेह गहराता जा रहा है।

लंबित राजस्व वादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी : जिला कलक्टर

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिला कलक्ट्रेट सभागार में ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 05 नवंबर। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें।बैठक में जल जीवन मिशन, मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की गई साथ ही, राजस्थान संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री सहायता कोष से जुड़े प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग सुधार के लिए समस्त आवश्यक तैयारियां दुरुस्त करने के निर्देश दिये। साथ ही यह भी कहा कि ज्ञान धारा अभियान के तहत राजकीय विद्यालयों को भवन एवं खेल मैदान के लिए सरकारी भूमि आवंटन सुनिश्चित करें।जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारियों को मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राजकीय चिकित्सालयों का नियमित निरीक्षण करने एवं फॉगिंग मशीन सहित उपलब्ध संसाधनों का रोस्टर बनाकर सभी इलाकों में सघन फॉगिंग करवाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया सहित अन्य मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए सभी अधिकारी उपखंड अधिकारी की अगुवाई में धरातल पर हर संभव प्रयास करें। ताकि आमजन को बीमारी की चपेट में आने से रोका जा सके।बैठक में जिला कलक्टर ने राजस्व अधिकारियों को नामांतरण, भू-रूपांतरण सहित रास्ते संबंधी प्रकरणों का निस्ताण प्राथमिकता से सुनिश्चित करने एवं जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में गोद लिये गए पार्कों का गुणवत्तापूर्ण विकास करने के निर्देश दिये गए। बैठक में अधिकारियों को ग्रेवल सड़कों के पुनर्निमाण एवं मरम्मत के लिए भी निर्देशित किया गया।जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की प्रगति एवं कार्ययोजना के साथ-साथ बजट घोषणाओं के लिए भू-आवंटन सहित अन्य विभिन्न अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई।

बैठक में ये अधिकारीगण रहे मौजूद

» बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश मूंड, अतिरिक्त, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दूदू) गोपाल परिहार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद शेर सिंह लुहाड़िया, सहित जिले के राजस्व अधिकारी एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेन्सिग के माध्यम से मौजूद रहे।

मोदी सरकार पर प्रियंका गांधी का हमला

कहा - लोगों को बांटने का काम करती है बीजेपी

वायनाड।

केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी इन दिनों जोर शोर से चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। प्रियंका इस सीट से अपनी राजनीतिक पारी का आगाज कर रही हैं। एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा साथ ही सूबे की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले जब उनके भाई राहुल गांधी ने वायनाड से चुनाव लड़ा था, उस दौरान उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया था। बीजेपी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी छवि को खराब करने के लिए एक एक अभियान चलाया, जिसके तहत लगाता उनकी इमेज उनकी प्रतिष्ठा को नष्ट किया जा रहा

मेरे भाई की छवि खराब करने के लिए बीजेपी ने चलाया अभियान

प्रियंका ने कहा कि बीजेपी ने इस अभियान में बड़े प्रयास, बड़े संसाधन लगाए गए। मीडिया और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके मेरे भाई के बारे में बहुत सारे झूठी बातें फैलाई गई ताकि लोग उन बातों पर विश्वास करें। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है जिने भी सच्चाई के लिए लड़ाई लड़ी है उसे झूठे बातों से अटैक करके झुकाने की कोशिश की गई है। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि वो वायनाड के लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने सच को पहचाना।

मेरा भाई भारत के लिए लड़ रहा है

उन्होंने कहा कि इस पूरे अभियान के बावजूद आप इस आदमी (राहुल गांधी) को पहचानते हैं, जो कुछ भी आपसे कहा जा रहा था उसके बावजूद आपने इनका साथ दिया। प्रियंका ने कहा कि मेरा भाई आपके लिए लड़ रहा था, वह भारत के लिए लड़ रहा था, वह सच्चाई के लिए लड़ रहा था।उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया ने राहुल से मुंह मोड़ लिया, तो आपने उसका समर्थन किया, आपने उसे साहस दिया, आपने उसे प्यार दिया, आप उसे अपने घरों में ले आए, आपने उसका परिवार के रूप में स्वागत किया और उसे आपसे बहुत साहस और ताकत मिली।

बाल पाठशाला बच्चों को वितरण की पाद्य सामाग्री

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। विजयनगर कॉलोनी निकट हीरा दास फाउंडर दिगंबर सिंह द्वारा जन सहयोग से संचालित निशुल्क बाल पाठशाला में ज्योति अग्रवाल और निधि कुमारी अरविंद ने आज पाठशाला के सभी जरूरतमंद बच्चों को कॉपी, पेन, बिस्किट, टॉफी, कुरकुरे आदि सामग्री वितरण कि तथा ज्योति अग्रवाल ने कहा कि बाल पाठशाला के सफल क्रियान्वयन में टीचर एवं अन्य स्टाफ टीम सदस्यों का व्यवहार देखकर मन को अत्यंत खुशी महसूस हुई और बच्चों से मिलकर उनके जीवन के लक्षय, कार्य और शिक्षा के प्रति समर्पण को देखकर मन खुश हुआ साथ ही सामाजिक अवसरों पर होने वाले व्यर्थ खर्चों से अलग हटकर बच्चों के लिए पाठ्य सामग्री वितरण करते हुए बहुत हर्ष महसूस किया, बाल पाठशाला जरूरतमंद बच्चों के लिए एक बहुत ही अच्छी पहल है बच्चों के जीवन को सही दिशा देने हेतु समस्त शिक्षक गणों का धन्यवाद देते हैं। हमें बच्चों के लिए कुछ करने का मौका मिला इस अवसर पर निधि अरविंद ने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में चर्चा की और उनके स्वास्थ्य के बारे में भी जाना। समिति अध्यक्ष वीरपाल सिंह एवं संरक्षक प्रेम सिंह अध्यापक ने इस मौके पर सभी का धन्यवाद प्रकट किया। इस मौके पर पूनम कुमारी अध्यापिका, दीया कुमारी अध्यापिका, संदीप कुमार, सौरभ कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929